राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 29 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-212 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी बोले- आने वाली पीढ़ियों की चिंता हो तो सामर्थ्य खुद ही आ जाता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 92वें एपिसोड के जरिए देश के लोगों को संबोधित कर रहे हैं। जल संरक्षण पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों की चिंता हो तो सामर्थ्य खुद ही आ जाता है। इसके कई उदाहरण अपने देश में ही हैं। मोदी ने आगे कहा कि देश में मोटे अनाज के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है। यहां तक की विदेशी मेहमानों ने भी मोटे अनाज से बने व्यंजन की तारीफ की है।

दूरदर्शन के स्वराज प्रोग्राम को देखने की अपील की

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों सूचना प्रसारण मंत्रालय के एक प्रोग्राम स्वराज में जाने का मौका मुझे मिला। इस प्रोग्राम में आजादी में भाग लेने वाले अनसुने नायक-नायिकाओं की गाथा के बारे में बताया गया है। मैं आप सबसे अपील करता हूं कि इस प्रोग्राम को जरूर देखें।

पीएम ने पिछली मन की बात में आजादी के महत्व को समझाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले मन की बात कार्यक्रम में आजादी के महत्व को समझाते हुए कहा कि हम सभी अद्भुत और ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं। ईश्वर ने हमें बड़ सौभाग्य दिया है। अगर हम गुलामी के दौर में पैदा हुए होते, तो, इस दिन की कल्पना हमारे लिए कैसी होती? गुलामी से मुक्ति की वो तड़प, पराधीनता की बेड़ियों से आजादी की वो बेचैनी - कितनी बड़ी रही होगी।

पीएम ने कहा कि जब हम, हर सुबह इस सपने के साथ जग रहे होते, कि मेरा हिंदुस्तान कब आजाद होगा और हो सकता है हमारे जीवन में वो भी दिन आता जब वंदेमातरम और भारत मां की जय बोलते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए, अपना जीवन समर्पित कर देते, जवानी खपा देते।

जून में इमरजेंसी पर चर्चा की थी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले मन की बात कार्यक्रम में इमरजेंसी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि उस दौरान देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए गए थे, उसमें जीने का अधिकार भी शामिल था। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के उस समय जैसा तानाशाही का दूसरा उदाहरण दुनिया में मिलना मुश्किल है।

पीएम मोदी ने इमरजेंसी के समय को याद करते हुए कहा था कि उस दौरान भारत के लोकतंत्र को कुचल देने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतें, हर संवैधानिक संस्था, प्रेस, सब पर नियंत्रण लगा दिया गया था। सेंसरशिप की ये हालत थी कि बिना स्वीकृति कुछ भी छापा नहीं जा सकता था। मुझे याद है, तब मशहूर गायक किशोर कुमार जी ने सरकार की वाह-वाही करने से इनकार किया तो उन पर बैन लगा दिया गया था। रेडियो पर से उनकी एंट्री ही हटा दी गई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों सूचना प्रसारण मंत्रालय के एक प्रोग्राम स्वराज में जाने का मौका मुझे मिला। इस प्रोग्राम में आजादी में भाग लेने वाले अनसुने नायक-नायिकाओं की गाथा के बारे में बताया गया है। मैं आप सबसे अपील करता हूं कि इस प्रोग्राम को जरूर देखें।
पीएम ने पिछली मन की बात में आजादी के महत्व को समझाया
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले मन की बात कार्यक्रम में आजादी के महत्व को समझाते हुए कहा कि हम सभी अद्भुत और ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं।

स्मृति ईरानी का राहुल गांधी और कांग्रेस पर तंज, कहा- गुलाम साहब अभी हुए आजाद, अमेठी 3 साल पहले हुई आजाद

अमेठी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि गुलाम नबी आजाद अब आजाद हुए हैं, लेकिन अमेठी तो बहुत पहले ही आजाद हो चुकी है। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आई स्मृति ने गुलाम नबी आजाद के

कांग्रेस छोड़ने और पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े सवाल पर शनिवार रात मीडिया से कहा कि कांग्रेसी अपने नेतृत्व पर टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसे में मुझे टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सूखी बाजगढ़ अमृत सरोवर का लोकार्पण करने के बाद मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में स्मृति ने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस का नेतृत्व अपनी ही पार्टी विशेषकर गांधी परिवार के प्रति टिप्पणी कर रहे हैं। उसमें मुझे टिप्पणी करने का कोई आवश्यकता नहीं है। बस इतना कहना है कि गुलाम साहब अभी आजाद हुए हैं। अमेठी 3 साल पहले ही आजाद हो गई है। इस दौरान उन्होंने कुपोषण मुक्त अमेठी का नारा भी दिया। गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की नेता ईरानी ने राहुल गांधी को अमेठी संसदीय सीट से पराजित किया था। अमेठी गांधी परिवार की परंपरागत सीट रही है और संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने इसका प्रतिनिधित्व किया था। ईरानी ने कहा कि पहले की अमेठी और आज की अमेठी में यही फर्क है कि पहले लोग यहां सत्ता को अपनी जागीर समझते थे, जबकि आज की अमेठी में सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का भाव है और यह इसके लिए जानी जा रही है।

आदित्यनाथ ने नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य के वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों को अवैध नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाने और कठोरता के साथ विधिसम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए। योगी ने कहा, अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में लिप्त लोगों के खिलाफ छापेमारी की जानी चाहिए, और यदि कोई ढिलाई बरती गई है, तो जवाबदेही तय की जाएगी। ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ाई एक जन आंदोलन का रूप ले लेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध मादक पदार्थ के धंधे में लिप्त लोगों की थाना स्तर पर पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि विगत पांच-छह माह में टीम वर्क के माध्यम से प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी करने तथा नोडल अधिकारी नियुक्त करने के अलावा अन्य कार्य के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिये। एक सरकारी बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि लंपी वायरस से सुरक्षा के लिए तत्काल पशु टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाए।

कश्मीर और पंजाब में बढ़ी ड्रोन घुसपैठ की कोशिशों के पीछे ISI? एनआईए कर रही जांच

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी भारतीय सीमा में हाल के दिनों हुई ड्रोन घुसपैठ की कोशिशों की जांच कर रही है। पाकिस्तान प्रसाशित कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों की इसमें भूमिका की जांच भी जा रही है। साथ ही पाकिस्तीनी खुफिया एजेंसी से मिल रहे दिशा-निर्देशों का भी पता लगाया जा रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में कई पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए हैं जिन्हें हथियार और गोला-बारूद गिराने के मकसद से भेजा गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि इस साल कश्मीर घाटी में इस तरह के 2 दर्जन से अधिक ड्रोन दिखाई दिए। संघीय एजेंसी ने पिछले हफ्ते श्रीनगर, जम्मू, कठुआ, सांबा और डोडा समेत आठ स्थानों पर छापेमारी की थी। टीआरएफ माड्यूल की ओर से हथियारों और गोला-बारूद की डिलीवरी से जुड़े एक केस में यह छापेमारी हुई। मालूम हो कि ञ्ज्रस्न आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि टीआरएफ के गुर्गे लश्कर के पाकिस्तानी हैंडलर्स से लगातार संपर्क में थे। इन्हें सांबा सेक्टर में ढ्ढक्क के पास भारतीय क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हथियारों, विस्फोटकों और अन्य आतंकवादी हार्डवेयर

की खेप मिल रही थी। इन हथियारों की खेप को कश्मीर में टीआरएफ आतंकवादियों तक पहुंचाई जाती थी, ताकि वो अल्पसंख्यकों, प्रवासियों और सुरक्षा बलों पर हमलों को अंजाम दे सकें।

पंजाब सीमा पर भी हथियार-ड्रग्स भेजे जा रहे-जम्मू के फैसल मुनीर ने ड्रोन के जरिए गिराई गई खेप को घाटी में आतंकवादियों तक पहुंचाई थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले महीने उसे गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य घटना में 22 जुलाई को जम्मू में सीमा सुरक्षा बल की ओर से एक ड्रोन को मार गिराया गया था। जम्मू-कश्मीर के अलावा पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी लगातार पंजाब सीमा पर भी हथियार, विस्फोटक और ड्रग्स भेजती रही है।

पंजाब में जब्त हुई 300 किलोग्राम हेरोइन-पिछले साल अक्टूबर से 15 जुलाई के बीच सुरक्षा बलों ने पंजाब में 300 किलोग्राम हेरोइन, 1.58 किलोग्राम अफीम, 48 हथियार, 553 गोलियां, 4.750 किलोग्राम सैन्य ग्रेड ऋष्ठङ्ग विस्फोटक और भारतीय नोट ले जा रहे 6 पाकिस्तानी ड्रोन जब्त किए। अधिकारियों ने कहा कि टीआरएफ को जम्मू-कश्मीर में ड्रोन के जरिए हथियारों और विस्फोटकों की सप्लाई में शामिल पाया गया है, जबकि पाकिस्तान से सक्रिय खालिस्तानी आतंकी संगठन बड़े पैमाने पर पंजाब की सीमा का इस्तेमाल हथियार और ड्रग्स भेजने के लिए कर रहे हैं।

'लाल किले पर झंडा फहराने में नीतीश कुमार का करेंगे समर्थन'

तेज प्रताप बोले- हम भतीजे हैं, इतना दायित्व बनता है

पटना। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद आगामी लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद उम्मीदवार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कुछ वक्त पहले तक राजग का हिस्सा रहे नीतीश कुमार ने महागठबंधन के साथ हाथ मिलाने के बाद प्रधानमंत्री उम्मीदवारी के लिए खम ठोक रहे हैं। लेकिन क्या संपूर्ण विपक्ष उन्हें प्रधानमंत्री उम्मीदवार का दावेदार बनाया है ? यह सवाल अहम है। इसी बीच बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप यादव का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री उम्मीदवार को लेकर बात की है। बिहार सरकार में मंत्री तेज प्रताप यादव ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार मेरे चाचा हैं और मैं उनका भतीजा हूं। ऐसे में मेरा दायित्व बनता है कि चाचा को हम लालकिले पर झंडा फहराने के मुकाम तक पहुंचाएंगे। यह महागठबंधन की सरकार है। लाल किले पर झंडा फहराने में हम उनका समर्थन करेंगे। इसी बीच उन्होंने कहा कि सबसे अच्छा राजगीर का जंगल सफारी है। हमारी सरकार में इसका उद्घाटन हुआ था, फिर मुझे यह विभाग मिला है। जो भी कमियां हैं हमने अधिकारियों को बता दिया है। मुख्यमंत्री जी से मिल कर जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इससे पहले उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी प्रधानमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का समर्थन करने की बात कही थी और उन्हें मजबूत उम्मीदवार बताया था।

सोनाली फोगाट मर्डर: गोवा पुलिस ने ड्रग तस्कर को पकड़ा, अब तक पांच अरेस्ट

पणजी। सनसनीखेज सोनाली फोगाट मर्डर केस में पुलिस ने पांचवीं गिरफ्तारी की है। गोवा की अंजुना पुलिस ने ड्रग तस्कर रामा मांड्रेकर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह इस मामले में पुलिस की एक बड़ी सफलता है क्योंकि इसी के माध्यम से पुलिस कई बातों का खुलासा कर सकती है। इसके साथ ही अब इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या पांच हो गई है।

रामा मांड्रेकर भी एक ड्रग पेडलर है

दरअसल, पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किया गया रामा मांड्रेकर ड्रग पेडलर है। पुलिस ने इससे पूछताछ शुरू कर दी है। इससे पहले पुलिस ने शुक्रवार को मामले में एक क्लब मालिक और एक ड्रग तस्कर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया

गोवा की अंजुना पुलिस ने ड्रग तस्कर रामा मांड्रेकर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह इस मामले में पुलिस की एक बड़ी सफलता है क्योंकि इसी के माध्यम से पुलिस कई बातों का खुलासा कर सकती है। इसके साथ ही अब इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या पांच हो गई है।

है। उस समय पुलिस ने क्लब के वॉशरूम से ड्रग्स भी बरामद किया था। पुलिस ने बताया था कि मालिक को इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि क्लब से ड्रग्स बरामद किए गए थे। मामले में गोवा पुलिस ने कहा था कि सोनाली फोगाट के ड्रिंक में उनके दो सहयोगियों ने एक पार्टी के दौरान नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया था। संभवत- इसके चलते फोगाट की मौत हुई। यह दोनों फोगाट हत्याकांड में आरोपी हैं। गोवा पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फोगाट की हत्या के पीछे की वजह आर्थिक हित हो सकता है।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद मनीष तिवारी ने दिखाए तेवर, कहा- मैं कांग्रेस का किरायेदार नहीं

हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों आरोपियों सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है ताकि वे सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित न कर सकें। वहीं इस बीच शनिवार को सोनाली फोगाट का गोवा के क्लब का एक और वीडियो सामने आया था। उस वीडियो में सुधीर सांगवान जबरदस्ती उनको बोतल से कुछ पिलाता दिखा था। बता दें कि गोवा पुलिस ने यह भी बताया था सुधीर सांगवान और सुखविंदर ने पूछताछ में कबूल किया है कि उन्होंने सोनाली को ड्रग्स दी थी। इस ड्रग्स की करीब डेढ़ ग्राम मात्रा सोनाली को दिए जाने की बात सामने आई थी। फिलहाल इस मामले की गहन छानबीन चल रही है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का काम 40 प्रतिशत पूरा, चंपत राय ने बताया कब तक बनकर होगा तैयार

अयोध्या। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के निर्माण का कार्य लगभग 40 प्रतिशत पूरी हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो साल पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर इसका शिलान्यास किया था। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि दिसंबर 2023 से दुनिया भर के भक्त भगवान राम की पूजा कर सकते हैं। ट्रस्ट के अधिकारियों ने यह भी कहा कि मंदिर के चारों ओर की सड़कों को सुधारने के लिए निर्माण कार्य भी जोरों पड़ है।

चंपत राय ने कहा, मंदिर निर्माण का 40 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो गया है। प्लिंथ का 80 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है। मंदिर में दर्शन दिसंबर 2023 से शुरू होने की संभावना है।÷ आपको बता दें कि देश में अगला लोकसभा चुनाव 2024 में होना है।

चंपत राय खुद अयोध्या के कारसेवक पुरम में डेरा जमाए हुए हैं और निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे हैं। वह लगातार बैठकें करते हैं और हर दिन प्रगति की समीक्षा करते हैं।

निर्माण में उपयोग किए गए धन के स्रोत के बारे में पूछे जाने पर चंपत राय ने कहा, ÷भगवान के कार्य के लिए धन की कमी नहीं होती है। भगवान के चरणों में लक्ष्मी बैठी रहती हैं।%% ट्रस्ट के अधिकारियों के मुताबिक, मंदिर की कम से कम एक हजार साल तक

लंबी उम्र और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बड़ी नींव रखी गई है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में मकराना पहाड़ियों से सफेद संगमरमर का उपयोग मंदिर के गर्भगृह के अंदर किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि संगमरमर की नक्काशी का काम प्रगति पर है और कुछ नक्काशीदार संगमरमर के ब्लॉक पहले ही अयोध्या लाए जा चुके हैं।

राम मंदिर निर्माण में प्राचीर के लिए लगभग आठ से नौ लाख क्यूबिक फीट नक्काशीदार बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया जाएगा। चंपत राय ने कहा कि इसके अलावा प्लिंथ के लिए 6.37 लाख क्यूबिक फीट ग्रेनाइट का इस्तेमाल होगा। मुख्य मंदिर लगभग 4.7 लाख क्यूबिक फीट नक्काशीदार गुलाबी बलुआ पत्थर से तैयार किया जाएगा। वहीं, गर्भगृह के निर्माण के लिए मकराना सफेद नक्काशीदार संगमरमर का 13,300 घन फीट इस्तेमाल किया जाएगा। फर्श और आवरण के लिए मकराना सफेद नक्काशीदार संगमरमर का 95,300 वर्ग फीट इस्तेमाल किया जाएगा।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया था। इससे पहले 9 नवंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। योजना के तहत राम मंदिर के आसपास 70 एकड़ क्षेत्र में वाल्मीकि, केवट, शबरी, जटायु, सीता, विघ्नेश्वर (गणेश) और शेषावतार (लक्ष्मण) के मंदिर भी बनाए जाएंगे। मंदिर निर्माण के साथ ही प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर की ओर जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिए दुकानों व मकानों को तोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

छोटी सी बात का बत्तंगड़

अंतरराष्ट्रीय राजनय में छोटी घटनाएं भी किस तरह बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का एक छोटा सा कदम इसका उदाहरण है। इसे भारत के रूस के खिलाफ मतदान करने के रूप में प्रचारित किया गया जो कि निहायत गलतबयानी है। वस्तुत- भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते जो किया वह बिलकुल अपेक्षित कदम है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सुरक्षा परिषद को संबोधित करने के आमंत्रण को लेकर मतदान हुआ था, भारत ने इसके पक्ष में मतदान किया, जिसे भारत का रूस के खिलाफ मतदान कहा गया। परिणामस्वरूप 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने जेलेंस्की को वीडियो-टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है। रूस की सेना ने छह माह पहले फरवरी में यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इस मामले में भारत अभी तक रूस के खिलाफ किसी भी प्रस्ताव का साथ देने से बचता रहा है। इससे अमेरिका समेत तमाम पश्चिम देश नाराजगी जताते रहे हैं। रूस के खिलाफ भारत को अपने पाले में लाने के लिए ये देश जी-तोड़ प्रयास करते रहे हैं। युद्ध के लिए पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक एवं अन्य प्रतिबंध लगाए हैं। भारत दो साल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अस्थायी सदस्य है। इसलिए भी भारत का साथ पाने के प्रयास चलते रहते हैं, जबकि भारत ने किसी का भी साथ न देने की नीति पर चलते हुए अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। भारत ने रूस और यूक्रेन से कूटनीति एवं वार्ता के मार्ग पर लौटने की कई बार अपील की है और दोनों देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने के सभी कूटनीतिक प्रयासों में सहयोग व्यक्त किया है। सुरक्षा परिषद ने यूक्रेन की स्वतंत्रता की 31वीं वषगांठ पर छह महीने से जारी युद्ध की समीक्षा के लिए बुधवार को एक बैठक की। रूस के राजदूत ने वीडियो टेली-कॉन्फ्रेंस के जरिए जेलेंस्की की भागीदारी के संबंध में एक प्रक्रियात्मक वोट कराने का अनुरोध किया। भारत सुरक्षा परिषद के उन 13 सदस्योंमें शामिल रहा है, जिन्होंने जेलेंस्की को सुरक्षा परिषद को संबोधित करने की अनुमति देने के पक्ष में वोट किया, जबकि वोटिंग का आह्वान करने वाले रूस ने इस निमंतण्रके खिलाफ मत दिया और चीन ने वोट नहीं दिया। गलतबयानी करके भारत की छवि खराब करने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष पद से क्यों दूर भाग रहें हैं गहलोत?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद म्यूजिकल चेयर बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द घूम रहा हैं। मगर सभी नेता अध्यक्ष बनने से इनकार कर रहे है। कांग्रेस पार्टी के हर बड़े नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। मगर राहुल गांधी अध्यक्ष बनने से लगातार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को साफ शब्दों में कह दिया है कि वह किसी भी सूरत में कांग्रेस अध्यक्ष बनना नहीं चाहते हैं। वह बिना पद के ही पार्टी का काम करना चाहते हैं। राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभाले। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है। जो इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं। जैसे ही कांग्रेसी हलकों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अशोक गहलोत का नाम आगे आया वैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया। गहलोत का कहना है कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मजबूत कर सकते हैं। अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए थे। जिसका लाभ आने वाले समय में कांग्रेस को मिलेगा। गहलोत राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए 250 से अधिक बड़े नेताओं से समर्थन लेकर राहुल गांधी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत का कहना है कि मुझे राजस्थान की जिम्मेवारी मिली हुई है। जहां मेरा कार्यकाल बाकी है। अभी मैं राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहता हूं। गहलोत का कहना है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ ही गुजरात में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में वह अपनी दोनों जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाएं। अभी वह इसी मिशन में लगे हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालना उनके लिए अनुकूल नहीं है। यह सभी को पता है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है। वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही गहलोत तीन बार राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता, तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं। बहुमत नहीं मिलने पर भी जोड़-तोड़ कर वह दूसरी बार सरकार बनाकर सफलतापूर्वक चला रहे हैं ऐसे में वह किसी भी स्थिति में मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ना चाहते हैं। गहलोत को पता है कि यदि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर जयपुर से दिल्ली जाते हैं तो उनके स्थान पर कांग्रेस आलाकमान उनके कट्टर विरोधी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना सकता है। जो गहलोत किसी भी स्थिति में नहीं होने देना चाहते हैं। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है। दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा अपने स्तर पर दोनों नेताओं के मध्य सुलह करवाने के उपरांत भी दोनों नेताओं के मन अभी तक नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं चाहेंगे कि उनके बाद पायलट राजस्थान में मजबूत होकर अपने पैर जमा सके। गहलोत को पता है कि राजस्थान की राजनीति व दिल्ली की राजनीति में बड़ा फर्क है। राजस्थान की राजनीतिक को तो वह वर्षों से अपनी अंगुली पर नचा रहे हैं। मगर दिल्ली जाने के बाद ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। उनको पता है कि यदि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो पार्टी तो गांधी परिवार के नियंत्रण में रहेगी। ऐसे में वह मात्र कठपुतली बनकर रह जाएंगे। ऊपर से राजस्थान भी उनके हाथ से निकल जाएगा। अगले कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी। तब असफलता का ठीकरा उनके सर ही फूटेगा। गहलोत किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इसीलिए वह दिल्ली जाने के लिए आनाकानी कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी कि अपनी-अपनी वफादारों की मंडली है। जिन की सलाह पर यह नेता काम करते हैं। यदि गहलोत दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इन वफादार नेताओं की बातों को अनसुना करते हैं तो उन्हें उनकी साजिशों का शिकार होना पड़ेगा। और उनका दिल्ली की राजनीति में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। अभी गहलोत राजस्थान में जैसा चाहते हैं वैसा ही पार्टी करती है। राजस्थान के अधिकांश मंत्री व विधायक उनके ही वफादार हैं। राजनीतिक नियुक्तियों में भी ज्यादातर गहलोत समर्थकों को बनाया गया हैं।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

जेवर से ज्यूरिख तक का सफर होगा आसान

आर.के. सिन्हा

ग्रेटर नोएडा में दक्षिण कोरिया की एलजी इलेक्ट्रानिक्स, मोजर बेयर, यमाहा, न्यू हालैंड ट्रैक्ट्रर्स तथा होंडा सिएल कारों का उत्पादन हो रहा है। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों की चोटी की कंपनियां हैं। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रानिक सामान का उत्पादन करने वाली इकाइयां काफी संख्या में हैं। बेहतर सड़क लिंक, चौबीस घंटे पानी की सप्लाई तथा यहां से देश के उत्तर, पूर्व तथा पश्चिम राज्यों के बाजारों में पहुंचने की सुविधा के चलते ग्रेटर नोएडा महत्वपूर्ण शहर बन चुका है। जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा।

आजकल आप किसी भी दिन राजधानी में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) और नई दिल्ली या निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन को जाकर देख लें। हैरानी होती है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आईजीआई की तुलना में मुसाफिरों की भीड़ खासी कम होने लग गई है। आईजीआई में तो चौबीसों घंटे भीड़ भरी रहती है। रोज हजारों हिन्दुस्तानी देश या सात समंदर पार के सफर पर निकल रहे होते हैं। इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। अब तो आईजीआई में अव्यवस्था भी खासी रहने लगी है। कारण यह है कि अपनी क्षमता से कहीं अधिक मुसाफिर और विमान यहां आ-जा रहे हैं। अब बहुत साफ है कि ग्रेटर नोएडा में स्थित जेवर एयरपोर्ट के बनने के बाद ही आईजीआई में लगातार रहने वाली अव्यवस्था से कुछ हद तक राहत मिलेगी।

जेवर एयरपोर्ट में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की लागत से 5845 हेक्टेयर जमीन पर बन रहा है एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण का काम 2023-24 में ही पूरा हो जाएगा। यानी 12-15 महीनों के बाद हालात सुधरने लगेंगे। तब आईजीआई का दबाव घटेगा। तब देश-विदेश की बहुत सी उड़ानें यहां से आने-जाने लगेंगी। जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण के बनने के बाद से ही सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होने की संभावना है। शुरुआत में इधर से दो हवाई पट्टियां चालू की जाएंगी। यह एयरपोर्ट नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मेरठ, गाजियाबाद, फरीदाबाद, पलवल आदि के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आ रहा है।

जेवर एयरपोर्ट के संचालित होने के बाद आईजीआई एयरपोर्ट पर दबाव कम होना चाहिए। तब सबसे पहले तो देश के अंदर उड़ने वाले बहुत से विमानों को यहां पर उतारा और यहां से इनके गंतव्य स्थलों की तरफ भेजा जा सकता है। उदाहरण के रूप में दिल्ली-मुंबई के बीच में रोज करीब 100 उड़ानें हैं। उनमें से करीब आधे को जेवर से संचालन किया जा सकता है। इसी तरह से बेंगलुरु, चेन्नई, काशी, पटना, रांची, लेह, गोवा और देश के दूसरे भागों में यहां से विमान उड़ सकते हैं। इसके अलावा लंदन, दुबई, ज्यूरिख या अमेरिका के शहरों को जाने वाली उड़ाने भी यहां से शुरू की जा सकती हैं। इससे पूर्वी दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उन हजारों-लाखों लोगों को लाभ होगा जो नियमित रूप से हवाई सफर करते हैं। अच्छी बात ये है कि जेवर एयरपोर्ट और आईजीआई को आपस में जोड़ने के लिए मेट्रो ट्रेन कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस स्पेशल मेट्रो कॉरिडोर की लम्बाई करीब 74 किलोमीटर होगी, जिस पर 120 किलोमीटर की रफ्तार से मेट्रो ट्रेन दौड़ेंगी। जेवर एयरपोर्ट स्थित कार्गो की क्षमता 20 लाख मीट्रिक टन होगी, जिसे बढ़ाकर 80 लाख मीट्रिक टन कर दिया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट सीधे सड़क, रेल और मेट्रो से जुड़ेगा। दिल्ली से मेट्रो की कनेक्टविटी एयरपोर्ट से की जाएगी। आसपास के सभी प्रमुख मार्ग व राजमार्ग जैसे यमुना एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को एयरपोर्ट से लिंक किया जाएगा। साथ ही इस एयरपोर्ट को दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल से भी जोड़ने की योजना है। इसके बाद दिल्ली और विमानतल के बीच का सफर 21 मिनट का हो जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट से फरीदाबाद को सीधे जोड़ने के लिए एनएचआई सिक्स लेन का ग्रीन हाइवे बनाने जा रहा है। फरीदाबाद से सटे बल्लभगढ़ के गांव साहपुरा से इस ग्रीन हाइवे का निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके लिए फरीदाबाद व पलवल की 14 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा, जबकि यूपी के भी चार गांवों से होकर भी ग्रीन हाइवे गुजरेगा। ग्रीन हाइवे बनने के बाद फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट पहुंचने में मात्र 20 मिनट का वक्त लगेगा। इस परियोजना के तहत यहां रेलवे स्टेशन, मेट्रो ट्रेन और बस अड्डा भी तैयार किया जा रहा है। तीनों ही जगह आने-जाने में यात्रियों को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो। भारी-भरकम सामान लेकर ट्रेन और बस के लिए दौड़ न लगानी पड़े, इसके लिए स्काई वॉक ट्रैवलर बनाने की योजना पर भी काम शुरू हो गया है। एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत में हवाई सेवाएं अब इतनी सुलभ हैं कि अब चप्पल पहनने वाला भी हवाई सफर कर सकता है। उनकी बात में ठोस आधार था, यह तो अब दिख रहा है ।

दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट दुनिया का दूसरा सबसे व्यस्तम एयरपोर्ट बन गया है। पिछले मार्च में यहां 36 लाख से अधिक यात्री पहुंचे या उड़ान भरी। अब अमेरिका का अटलांटा एयरपोर्ट ही भारत के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से आगे है। 2019 में इस एयरपोर्ट का स्थान 23वां था। एक प्रमुख वैश्विक यात्रा डेटा प्रदाता कंपनी ऑफिशियल एयरलाइन गाइड (ओएजी) के सर्वे के अनुसार अटलांटा एयरपोर्ट अभी भी पहले स्थान पर है और तीसरे स्थान पर दुबई, वहीं चौथे स्थान पर लंदन का हीथ्रो हवाई अड्डा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने चीन के ग्वांगझू एयरपोर्ट को भी पीछे छोड़ दिया है जो कि 10वें स्थान पर है। तो बहुत साफ है कि आईजीआई में भीड़ बढ़ती ही जाएगी। यह तो बहुत संतोष का विषय है कि समय रहते हमने जेवर एयरपोर्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस बीच, जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले हजारों साउथ कोरियाई और अन्य देशों के नागरिकों को भी लाभ होगा जो लगातार सफर पर निकलते हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बड़ी तादाद में कोरियाई नागरिक, जिनमें पेशेवर, इंजीनियर, उद्यमी वगैरह शामिल हैं, रहते हैं।

ग्रेटर नोएडा में दक्षिण कोरिया की एलजी इलेक्ट्रानिक्स, मोजर बेयर, यमाहा, न्यू हालैंड ट्रैक्ट्रर्स तथा होंडा सिएल कारों का उत्पादन हो रहा है। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों की चोटी की कंपनियां हैं। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रानिक सामान का उत्पादन करने वाली इकाइयां काफी संख्या में हैं। बेहतर सड़क लिंक, चौबीस घंटे पानी की सप्लाई तथा यहां से देश के उत्तर, पूर्व तथा पश्चिम राज्यों के बाजारों में पहुंचने की सुविधा के चलते ग्रेटर नोएडा महत्वपूर्ण शहर बन चुका है। जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मानते हैं कि 'जेवर एयरपोर्ट के बनने के बाद करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। जेवर एयरपोर्ट देश का पहला पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त एयरपोर्ट होगा।' बेशक, जेवर एयरपोर्ट बनने से नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के विकास को पंख लग जाएंगे और आईजीआई एयरपोर्ट को राहत मिल जाएगी।

विचार-मंथन

आजाद कांग्रेस मुक्त

सिद्धार्थ शंकर

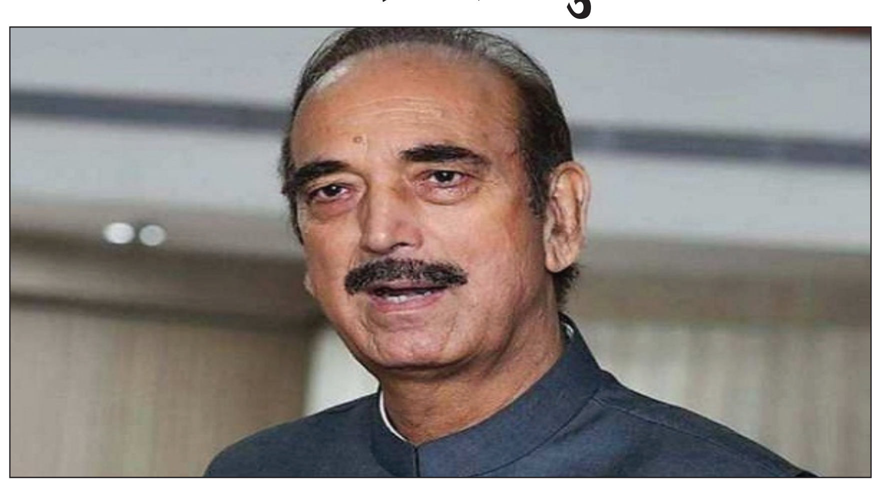

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वो काफी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर नाराज चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे पांच पृष्ठ के त्यागपत्र में आजाद ने कहा कि वह भारी मन से यह कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले %कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकाली जानी चाहिए थी। आजाद ने कहा कि पार्टी में किसी भी स्तर पर चुनाव संपन्न नहीं हुए। गुलाम नबी ने कहा कि कांग्रेस लडने् की अपनी इच्छा शक्ति और क्षमता खो चुकी है। आजाद ने सोनिया को लिखे पत्र में कहा कि एआईसीसी के चुने हुए पदाधिकारियों को एआईसीसी का संचालन करने वाले छोटे समूह द्वारा तैयार की गई सूचियों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। पार्टी के साथ बड़े पैमाने पर धोखे के लिए नेतृत्व पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस में हालात अब ऐसी स्थिति पर पहुंच गए है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। पार्टी की कमजोरियों पर ध्यान दिलाने के लिए पत्र लिखने वाले 23 नेताओं को अपशब्द कहे गए, उन्हें अपमानित किया गया, नीचा दिखाया गया। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने उस समय चौंकाया था जब उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की प्रचार समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हैरानी की बात ये है कि कुछ घंटे पहले ही उन्हें यह पद दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर जा रहे हैं और जम्मू-कश्मीर में अपनी नई पार्टी बनाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा में शामिल होने की खबरों का खंडन किया है। पिछले दो साल के रिकॉर्ड देखें तो इनमें कई नेताओं के नाम शामिल हो चुके हैं। फिर वह ज्योतिरादित्य सिंधिया हों या जितिन प्रसाद, कपिल सिब्बल और हार्दिक पटेल। एक के बाद एक कई दिग्गज नेता कांग्रेस का दामन छोड़ दूसरी पार्टियों में शामिल हो चुके हैं। कई ऐसे भी हैं, जो पार्टी के बड़े पदों पर नहीं बैठना चाहते हैं। इनमें आनंद शर्मा जैसे दिग्गज नेता शामिल हैं। आनंद शर्मा ने पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव संचालन समिति (स्टीयरिंग कमेटी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? क्यों कोई बड़ा नेता पार्टी के बड़े पदों को नहीं संभालना चाहता है? कांग्रेस छोड़ने वाले ज्यादातर नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व और खासतौर पर राहुल गांधी पर सवाल खड़े किए हैं। गुलाम नबी आजाद ने अपने इस्तीफा में लिखा है कि कांग्रेस में अब कुछ भी ठीक नहीं है। राहुल गांधी के आसपास अनुभवविहीन लोग हैं। पार्टी में अब न तो इच्छा शक्ति बची है और न ही काबिलियत। लगातार पार्टी में वरिष्ठ नेताओं को किनारे किया जा रहा है। इसके दो दिन पहले पार्टी से इस्तीफा देने वाले जयवीर शेरगिल ने भी कुछ इसी तरह के सवाल उठाए थे। शेरगिल ने लिखा था, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि निर्णय लेना अब जनता और देश के हितों के लिए नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के स्वार्थी हितों से प्रभावित है, जो चाटुकारिता में लिप्त हैं और लगातार जमीनी हकीकत की अनदेखी कर रहे हैं। जितिन प्रसाद, हार्दिक पटेल, ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कई नेताओं ने भी इस्तीफा देते हुए राहुल गांधी पर ही सवाल खड़े किए थे। सभी ने अपने इस्तीफा में लिखा था कि राहुल गांधी कांग्रेस नेताओं को मिलने का समय नहीं देते हैं। वह कार्यकर्ताओं और नेताओं की बात नहीं सुनते हैं। पार्टी में लंबे समय से चुनाव नहीं हुआ है। 2019 लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद से सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष हैं। सोनिया की तबियत खराब रहती है। ऐसे में पार्टी का ज्यादातर काम राहुल ही संभालते हैं। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले नेताओं का आरोप है कि राहुल गांधी कभी भी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को समय नहीं देते हैं। उनकी बातों को नहीं सुनते हैं। समय पर पार्टी में फैसला नहीं होता है। एक तरह से पार्टी नेतृत्व का संकट है। लगातार चुनावों में मिल रही हार के चलते कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने जी-23 गुट बनाया। इसके बाद पार्टी में नेतृत्व को लेकर विद्रोह की अटकलें शुरू हो गई थीं। इन नेताओं का आरोप था कि पार्टी में उनकी बातों को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी में नेताओं की सुनने वाला कोई नहीं है। लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म हो गया है। इस गुट में गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, शशि थरूर, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा, पीजे कुरियन, रेणुका चौधरी, मिलिंद देवड़ा, मुकुल वासनिक, जितिन प्रसाद, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजिंदर कौर भट्टल जैसे नेता शामिल थे। अनदेखी से नाराज इनमें से कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। कहा यह भी जा रहा है कि कांग्रेस में कोई नेता दूसरे की नहीं सुन रहा है। राहुल गांधी-सोनिया गांधी भी पार्टी नेताओं की गुटबाजी को खत्म नहीं कर पा रहे हैं। संगठन में तालमेल पूरी तरह से खत्म हो गया है।

ब्लॉगर

'अविश्वसनीय' नीतीश कुमार का विश्वास मत

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। यह पूर्व निर्धारित था। नीतीश कुमार ने समीकरण और संख्याबल का इंतजाम करने के बाद ही पाला बदला था। सत्ता की राजनीति में वह घाटे का सौदा नहीं करते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी छवि की चिंता भी नहीं रहती। मुख्यमंत्री की कुर्सी न मिले तो छवि बना कर भी क्या करेंगे। वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यह राजनीतिक जीवन का साध्य है। यहां तक पहुंचने और फिर बने रहने में साधन का कोई महत्व नहीं। छवि का क्या है, वह परिवर्तनशील है। कभी सुशासन बाबू तो कभी पलटू राम हैं, क्या फर्क पड़ता है। स्थाई तत्व तो मुख्यमंत्री की कुर्सी है।

नीतीश कुमार कुर्सी को साथ रख कर पाला बदलने में माहिर हैं। इसी पोजीशन में वह राजनीतिक रूप में दो विपरीत ध्रुवों की यात्रा बड़ी सहजता से कर लेते हैं। बिहार की राजनीति में भाजपा और राजद दो विपरीत ध्रुव हैं। भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा और कैडर आधारित पार्टी है। दूसरी तरफ राजद परिवार आधारित पार्टी है। इसके संस्थापक मुख्यमंत्री रहते हुए ही घोटालों के आरोपी बने थे। उस समय उनके पुत्र छोटे थे। इसलिए अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया था। लालू यादव आज भी वहीं हैं। अब उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता। छोटे पुत्र तेजस्वी बड़े हो गए। नीतीश कुमार को वही डील कर रहे हैं। कहने को उप मुख्यमंत्री हैं। उनके पास नीतीश के मुकाबले लगभग दोगुना संख्याबल है। ऐसी सरकारें खास अंदाज में चलती हैं। मुख्यमंत्री को अपने उप मुख्यमंत्री की कृपा पर निर्भर रहना पड़ता है। उसका एक मात्र उद्देश्य अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना होता है।

भाजपा और जेडीयू की बात अलग थी। दोनों ने मिलकर चुनाव था। गठबंधन के नेता नीतीश कुमार थे। उन्हीं को भावी मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इसी गठबंधन को जनादेश मिला था। इसमें भी जेडीयू का संख्याबल भाजपा से कम थी। भाजपा ने ईमानदारी से जनादेश का सम्मान किया। नीतीश के नेतृत्व में सरकार को जन आकांक्षा के अनुरूप चलाया जा रहा था। राजद की तरफ का नीतीश पर कोई दबाब नहीं था। राजद का पूरा कुनबा ही घोटालों के आरोप में घिरा है। बताया जाता है कि लालू यादव ने अपनी भ्रष्ट कार्यशैली से पूरे कुनबे को लाभान्वित किया था। नीतीश ने जब पहली बार पाला बदल कर राजद के साथ सरकार बनाई थी, तब भी राजद ने अपनी मूल प्रकृति का परित्याग नहीं किया। उस सरकार में भी तेजस्वी यादव उप मुख्यमंत्री थे। उनके बड़े भाई स्वास्थ्य मंत्री थे। दोनों मिलकर लालू यादव की विरासत को बढ़ाने में जुटे थे। सुशासन बाबू यह देख कर बेचैन हो गए। उन्हें लगा भाजपा के साथ रहकर जो छवि निर्मित हुई थी, सब तार- तार हो रही है। नीतीश कुमार पीछा छुड़ा कर भाजपा में वापस आ गए। नीतीश और लालू परिवार के बीच फिर अमर्यादित आरोपों की बौछार शुरू हुई। ऐसा लगा जैसे नीतीश अब कभी लालू के कुनबे की तरफ पलट कर नहीं देखेंगे। लेकिन फिर बेतलवा डाल परज की कहावत चरितार्थ हुई। एक-दूसरे पर हमला बोलने वाले एक पाले में आ गए। विधानसभा में विश्वासमत भी हासिल कर लिया। इस सबके बावजूद राजद विश्वास के साथ नहीं कह सकती कि नीतीश कब तक उसके चंगुल में रहेंगे। इसलिए तेजस्वी यादव राजद की परम्परा के अनुरूप ही खुलकर कार्य कर रहे हैं। इस बेमेल गठबंधन की पिछली सरकार में विसंगति सामने आने में कुछ समय लगा था। लेकिन इस सरकार की शुरुआत ही विसंगति से हुई है।

राजद ने अपरोक्ष रूप में नीतीश कुमार को औकात बता दी है। यह संदेश दिया है कि राजद के हिसाब से ही सरकार चलानी होगी। नीतीश ने भी इस संदेश को शिरोधार्य कर लिया है। बिहार में नए कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह को लेकर हुए विवाद में नीतीश कुमार पूरी तरह लाचार दिखे। सबकुछ उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के ऊपर छोड़ दिया।इसका मतलब है कि नीतीश ने मान लिया हैं कि राजद कोटे के सभी मंत्रियों के लिए तेजस्वी ही अघोषित मुख्यमंत्री हैं। नीतीश केवल अपनी कुर्सी और अपनी पार्टी के मंत्रियों के क्रियाकलाप देखेंगे। नीतीश सरकार में आधा दर्जन से ज्यादा अपराधी और हिस्ट्रीशीटर हैं। राजद की समस्या यह है कि वह अच्छी छवि वाले विधायक लाए भी कहां से। इस पार्टी में ऐसे लोगों का ही वर्चस्व है। लालू यादव ने कभी सिद्धांतों की राजनीति नहीं की। नीतीश का यह कहना गलत है कि उन्हें आरोपित मंत्रियों की जानकारी नहीं है। नीतीश पूरी राजद को जानते हैं। पहले वह इन सभी का कच्चा चिट्ठा जानने का दावा करते थे। यह लाचारी नीतीश ने कुर्सी के लिए खुद स्वीकार की है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फेडरल रिजर्व प्रमुख के भाषण के बाद शीर्ष अमीरों की संपत्ति में तेज गिरावट

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण के बाद शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिका के तीनों प्रमुख सूचकांक 3 फीसदी से अधिक लुढ़क गए। इस बिकवाली में दुनिया के शीर्ष अमीरों, मसलन टेस्ला प्रमुख एलन मस्क और एमेजन प्रमुख जेफ बेजोस की संपत्ति में भी तेज गिरावट देखने को मिली। दरअसल, जेरोम पॉवेल ने अपने भाषण में यह संकेत दिए कि केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू में करने के लिए ब्याज दरों में लगातार बढ़ोतरी करता रहेगा। इसके बाद अमेरिकी बाजार द्वारा की जा रही नरम मौद्रिक नीतियों की उम्मीद टूट गई। इसके बाद एसएंडपी 141.6 अंक, नैसडेक 497.56 अंक और डो जोन्स 1008.38 अंक गिरकर बंद हुआ। जेरोम पॉवेल के भाषण के बाद अमेरिकी बाजार में गिरावट से अमेरिका से शीर्ष अमीरों की संपत्ति में 112 अरब डॉलर साफ हो गए। मस्क की संपत्ति में 5.5 अरब डॉलर और जेफ बेजोस की संपत्ति में 6.8 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली। वहीं बिल गेट्स की संपत्ति 2.2 अरब डॉलर जबकि वॉरेन बफेट के फॉर्च्यून में 2.7 अरब डॉलर की गिरावट हुई। जानकार मानते हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से भारतीय बाजार की गति को थोड़ा ब्रेक लग सकता है। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि पॉवेल ने जो बात कही उसका अंदेशा बाजार को था। उनका कहना है` कि भारतीय बाजार पहले से ही कुछ दिनों से गिरावट के मूड में था और पॉवेल के भाषण के कारण अमेरिकी बाजार में हुई बिकवाली इसे और बढ़ाएगी। वहीं एकस्सि सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी नवीन कुलकर्णी ने कहा कि पॉवेल ने जो बातें कहीं बाजार को इसका थोड़ा-बहुत अनुमान था।

चालू वित्त वर्ष में वुडलैंड का 1,200 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली । फुटवियर और परिधान क्षेत्र की कंपनी वुडलैंड को चालू वित्त वर्ष में 1,200 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। एरो क्लब के प्रबंध निदेशक हरकीरत सिंह ने यह बात कही है। वुड्स और वुडलैंड ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली एरो क्लब को उम्मीद है कि उसका कारोबार चालू वित्त वर्ष में महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगा। महामारी के दौरान वुडलैंड के करीब 50 स्टोर बंद हो गए थे। अब कंपनी ने नए स्टोर खोलने शुरू कर दिए हैं और वह दो अंकीय वृद्धि यात्रा को फिर शुरू करने के लिए बड़े आकार के स्टोर खोल रही है। इसके अलावा कंपनी ने एक नया ब्रांड ए स्केटिंग मॉन्क भी पेश किया है। ए स्केटिंग मॉन्क के संस्थापक गगनदीप सिंह ने कहा कि अभी इस ब्रांड के उत्पाद चुनिंदा वुडलैंड आउटलेट में उपलब्ध है। भविष्य में उसका इरादा 8-9 बड़े स्टोर खोलने का है। इन स्टोर में लोग इस ब्रांड को समझ सकेंगे। सिंह ने कहा कि अभी अखिल भारतीय स्तर पर वुडलैंड के 550 स्टोर हैं। महामारी के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे 50 स्टोर बंद किए गए थे लेकिन अब हम नए स्टोर, बड़े फॉर्मेट के स्टोर खोल रहे हैं। कई नए उत्पाद पेश किए गए हैं। हम बड़े स्टोर खोल रहे हैं। स्टोर का औसत आकार 2,000 वर्गफुट था जो अब बढ़कर 4,000 से 5,000 वर्गफुट हो गया है।

चीन को पछाड़ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टवॉच मार्केट बना भारत

नई दिल्ली । भारत में स्मार्टवॉच मार्केट तेजी से ग्रो कर रहा है। दरअसल, रिपोर्ट के मुताबिक, जून तिमाही में पहली बार भारत चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टवॉच मार्केट बन गया। वर्तमान में उत्तरी अमेरिका पहले स्थान पर सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। रिसर्च के अनुसार, जून तिमाही में भारत के स्मार्टवॉच मार्केट में चार गुना से ज्यादा यानी 347 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि दुनियाभर में यानी वैश्विक बाजार में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। रिपोर्ट के अनुसार 26 प्रतिशत शिपमेंट के साथ उत्तरी अमेरिका सबसे बड़ा स्मार्टवॉच बाजार बना हुआ है, भले ही इसके शिपमेंट में सालाना 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसकी तुलना में जून तिमाही में वैश्विक बाजार में भारत और चीन की हिस्सेदारी क्रमशः 22 फीसदी और 21 फीसदी रही। वहीं चीन में शिपमेंट 10 प्रतिशत गिर गया। भारतीय बाजार में स्मार्टवॉच मार्केट की ग्रोथ में सबसे बड़ी भूमिका घरेलू ब्रांड्स फायर-बोल्ट और नॉइस की रही है। इन कंपनियों ने पहली बार वैश्विक बाजार में शीर्ष पांच स्मार्टवॉच ब्रांडों की सूची में जगह बनाई। नाइस ने शिपमेंट में सालाना 298 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान भारतीय बाजार में लांच किए गए 30 प्रतिशत मॉडल 50 डॉलर से कम में बिके। उन्होंने कहा, प्रमुख स्थानीय ब्रांडों ने उपभोक्ताओं के लिए बहुत किफायती मॉडल लांच किए हैं, जिससे एंट्री लेवल पर खरीददारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

सरकार ने आटा, मैदा और सूजी के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए आटा, साबुत आटा, मैदा और सूजी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें गेहूं या मेसलिन का आटा, मैदा, साबुत आटा और सूजी के निर्यात को मुक्त से प्रतिबंधित किया जाता है। सूजी में रवा और सिरगी भी शामिल हैं। सरकार की ओर से यह आदेश डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने जारी किया है। हालांकि, सरकार की अनुमति के साथ अब कुछ मामलों में निर्यात किया जा सकेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2015-20 के ट्रांजिशनल अरेंजमेंट्स संबंधी प्रावधान इस नोटिफिकेशन के तहत लागू नहीं होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले 25 अगस्त को सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। यह फैसला आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमिटी (सीसीईए) ने किया था। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध ही इसका कारण बने। दोनों की देश गेहूं के सबसे बड़े निर्यातक हैं और इनके बीच युद्ध से दुनियाभर में गेहूं की सप्लाई बाधित हो गई।

इसलिए भारत से गेहूं निर्यात की मांग बढ़ गई। निर्यात बढ़ने के कारण भारत में गेहूं की कीमत ऊपर जाने लगी और इस पर लगाम लगाने के लिए निर्यात प्रतिबंधित कर दिया गया। हालांकि, इससे विदेशों में आटे की मांग में तेजी आ गई। इस साल अप्रैल-जुलाई के दौरान आटे की मांग में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 200 फीसदी अधिका का उछाल देखा गया। भारत ने 2021-22 में 24.6 करोड़ डॉलर का आटा निर्यात किया था। जबकि इस वित्त वर्ष केवल अप्रैल-जुलाई में ही 12.8 करोड़ डॉलर का आटा निर्यात कर दिया।परेशानी को दूर करने के लिए अब एक ब्रांड के तहत सब्सिडी वाली उर्वरक बनाई जाएगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। जानकारों के मुताबिक क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार–चढ़ाव के बीच सस्ते पेट्रोल–डीजल की संभावना फिलहाल कम दिख रही है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर और पोर्टब लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

मारुति का घरेलू बाजार में 50 प्र तिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य: भार्गव

मुंबई । देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) घरेलू बाजार में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी फिर हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आरसी भार्गव ने कहा कि मारुति पीछे नहीं हटेगी और 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी फिर हासिल करने के लिए संघर्ष करेगी। मारुति देश में अपने परिचालन के 40 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी घटकर 43.38 प्रतिशत रह गई, जो वित्त वर्ष 2018-19 में 51.21 प्रतिशत के शिखर पर थी। घरेलू बाजार में अपना प्रभुत्व फिर कायम करने के प्रयास के तहत कंपनी की योजना शहरी क्षेत्र के अलावा छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरत को पूरा करने वाले मॉडल उतारने की है। वित्त वर्ष 2018-19 में घरेलू बाजार में यात्री वाहन बिक्री 33,77,436 इकाई थी, जो 2021-22 में घटकर 30,69,499 इकाई रह गई। मारुति सुजुकी ने 2018-19 में अपनी अब तक की सबसे अधिक सालाना बिक्री 17,29,826 इकाइयों की हासिल की थी। उस समय कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 51.21 थी। यह 2021-22 में घटकर 43.38 प्रतिशत या 13,31,558 इकाई रह गई। भार्गव ने कहा` कि हम अपनी 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी वापस पाने के लिए संघर्ष करेंगे। हम कितना सफल होते हैं, यह तो समय ही बताएगा लेकिन निश्चित रूप से हमारा पीछे हटने का इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) या किसी अन्य बॉडी स्टाइल का मॉडल पेश करेंगे।

टाटा मोटर्स की स्पेशल एडिशन एसयूवी लॉन्च के लिए तैयार

-कार निर्माता ने जारी किया इसका टीजर

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स जल्द ही एक स्पेशल एडिशन एसयूवी लॉन्च करने के लिए तैयार है। कंपली ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह एक रेगुलर आईसीई मॉडल होगा या कोई इलेक्ट्रिक कार होगी। कार निर्माता ने इसका टीजर जारी किया है। टाटा मोटर्स ने केवल पुष्टि की है कि आगामी मॉडल एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन होगा। इसे फेस्टिव सीजन से ठीक पहले शनिवार 27 अगस्त को लॉन्च किया जाएगा। टाटा मोटर्स ने आने वाले एसयूवी का एक छोटा टीजर वीडियो शेयर किया है, जिसमें वास्तविक कार को पूरी तरह से नहीं दिखाया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में एसयूवी की 'न्यू फॉरएवर' रेंज के लिए 'जल्द ही आ रहा है' का जिक्र किया है। टाटा कारों की नई फॉरएवर रेंज का श्रेय उन मॉडलों को दिया जाता है जिनमें कार निर्माता की इंपैक्ट 2.0 डिजाइन लैंग्वेज होती है। इसमें सफारी, हैरियर, पंच और नेक्सॉन जैसी एसयूवी शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने 'न्यू फॉरएवर' रेंज के तहत नए मॉडल या मौजूदा मॉडलों के स्पेशल एडिशन को बार-बार लॉन्च करती रहेगी। इस स्ट्रैटजी के बाद टाटा मोटर्स ने अपनी प्रमुख एसयूवी हैरियर और सफारी के कई वेरिएंट लॉन्च किए हैं, जिनमें डार्क एडिशन और गोल्ड एडिशन भी शामिल हैं। टाटा के सबसे नए मॉडल पंच एसयूवी को इस साल की शुरुआत में नेक्सन और अन्य एसयूवीएस के साथ स्पेशल काजीरंगा एडिशन भी मिला था। इस साल जनवरी में टाटा मोटर्स ने हैरियर एसयूवी का नया डार्क एडिशन 19.05 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च किया था। पंच काजीरंगा की कीमत 8.59 लाख रुपये एक्स शोरूम है, जबकि नेक्सॉन पेट्रोल और डीजल काजीरंगा वेरिएंट की कीमत क्रमशः 11,78,900 और 13,08,900 रुपये एक्स शोरूम है। टाटा हैरियर और सफारी काजीरंगा वेरिएंट क्रमशः 20,40,900 और 20,99,900 रुपये एक्स शोरूम में उपलब्ध हैं।इससे पहले टाटा मोटर्स ने नेक्सॉन, नेक्सॉन ईवी, हैरियर और अल्ट्रोज जैसे मॉडलों के डार्क एडिशन मॉडल के डार्क एडिशन वेरिएंट पेश किए थे। इसके अलावा डार्क एडिशन एडवेंचर और गोल्ड एडिशन के बाद टाटा सफारी के तीसरे विशेष संस्करण के रूप में आता है।फरवरी में टाटा मोटर्स ने सफारी, हैरियर, नेक्सॉन और पंच एसयूवी के काजीरंगा संस्करण पेश किए।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक बाजारों के उतार-चढ़ाव, वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख, रुपए-डॉलर के उतार-चढ़ाव से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक बाजारों के उतार-चढ़ाव, वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा विदेशी कोषों के रुझान से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल के जैक्सन होल में शुक्रवार को संबोधन के बाद सोमवार को बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि पावेल ने अपने संबोधन में अत्यधिक सख्त रुख का संकेत दिया है। मौद्रिक रुख उम्मीद से अधिक समय तक सख्त रखने की आशंका को लेकर बाजार चिंतित है। पावेल ने कहा है कि आगामी महीनों में फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में और बड़ी बढ़ोतरी करेगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक का ध्यान चार दशक में सबसे उच्चस्तर पर पहुंच चुकी महंगाई को काबू करने पर है। बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि जैक्सन होल संगोष्ठी में पोवल का बयान इस बात की ओर इशारा करता है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक का ध्यान वृद्धि से अधिक मुद्रास्फीति पर अंकुश की ओर है। अमेरिकी बाजारों में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। सोमवार को भारतीय बाजारों की प्रतिक्रिया भी नकारात्मक रह सकती है। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच बुधवार को गणेश चतुर्थी पर बाजारों में अवकाश रहेगा। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वैश्विक बाजारों के रुख का प्रभाव देखने को मिलेगा। इसके अलावा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और वाहन बिक्री के आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे। इसके साथ ही बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर सूचकांक और अमेरिका में बॉन्ड के प्रतिफल पर भी निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने कहा कि खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े गुरुवार को आने हैं। इससे भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला होगा। चूंकि इस सप्ताह नए महीने की शुरुआत है, ऐसे में भागीदारों की निगाह वाहन बिक्री आंकड़ों पर भी रहेगी। सभी की निगाह वैश्विक बाजारों विशेषरूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर रहेगी। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख, रुपए-डॉलर के उतार-चढ़ाव से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा।

निजी क्षेत्र से होकर जाता है देश की वृद्धि एवं विकास का रास्ता: भार्गव

गांधीनगर ।

अग्रणी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि भारत के लिए वृद्धि एवं विकास का आगे का रास्ता निजी क्षेत्र पर निर्भरता से होकर ही जाता है। भार्गव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार ने निजी क्षेत्र पर पूरा भरोसा दिखाकर उद्योग जगत को देश की आर्थिक एवं औद्योगिक प्रगति और रोजगार सृजन के मोर्चे पर आगे आने के लिए प्रेरित किया। भार्गव ने आने वाले समय में उद्योग के परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर कहा` कि 60-65 वर्षों तक सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के जरिये ही वृद्धि की राह देखने की कोशिश की गई लेकिन मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि भारत के लिए आगे की राह निजी क्षेत्र पर विश्वास से जुड़ी हुई है। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह माना कि निजी क्षेत्र की कुछ अपनी समस्याएं एवं खामियां हैं और यह कलंक से बचा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा` कि मैं एक पल के लिए भी यह नहीं कहना चाहता कि निजी क्षेत्र परिपूर्ण है लेकिन अगर आप निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के गुण-दोष को परखें तो निजी क्षेत्र के गुण सार्वजनिक क्षेत्र की खूबियों पर भारी पड़ेंगे।

गणेश प्रतिमाओं पर भी जीएसटी का असर, घट रही मूर्तियों की ऊंचाई और बढ़ रहे दाम

500 से 800 रुपए में मिलने वाली प्रतिमा की कीमत हुई 1000 से 1200 रुपए

नई दिल्ली ।

महंगाई का असर अब पर्व-त्योहारों पर भी देखा जा रहा है। पूरे देश में 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा, लेकिन भगवान गणेश की प्रतिमा पर भी अब जीएसटी का असर दिख रहा है। इस साल भगवान गणेश की मूर्तियों के दाम जीएसटी बढ़ने की वजह से 40 फीसदी तक बढ़ गए हैं। देश के बाजारों में गणपति बप्पा पहले की तुलना में अब डेढ़ से दो गुना ज्यादा महंगे बिक रहे हैं। आपको बता दें कि गणपति की औसत प्रतिमा, जो कोरोना काल से पहले 500 से 800 रुपए में उपलब्ध हुआ करता था, वह इस साल 1000 से 1200 रुपए में बिक रहे हैं। गाजियाबाद में भगवान गणेश की अलग-अलग प्रतिमा बनाने वाले एक मूर्तिकार के मुताबिक पिछले दिनों सरकार ने कई चीजों पर जीएसटी लगा दिया था। इससे मूर्ति बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतों में उछाल आ गया। जीएसटी की वजह से भगवान गणेश मूर्तियों के दाम हम लोगों ने इस साल बढ़ा दिया है। गणेश की मूर्ति का कोई भी साइज आप खरीदेंगे हर मूर्ति पर पहले की तुलना में दाम बढ़े मिलेंगे। सजाने से रंगने के सामान के दाम बढ़ गए हैं। पहले कपड़े की कीमत प्रति मीटर 35 से 40 रुपए से बढ़कर 50 से 55 तक पहुंच गई है। मूर्तियों के श्रृंगार के लिए ऑयल पेंट की कीमतों में भी इजाफा हो गया है। 30 प्रतिशत तक दाम बढ़ गए हैं। ब्रश, मिट्टी, बांस और बिचाली के साथ मजदूरी भी बढ़ गई है। कारीगरों का कहना है कि कोरोना काल में जो कारीगर काम छोड़ कर चले गए थे, वह अभी तक लौट कर नहीं आए हैं। इस साल हमलोग अपने खर्चों पर कारीगरों को बुला रहे हैं। साथ ही बढ़िया प्रतिमा बनाने के लिए मिट्टी भी राजस्थान और गुजरात जैसे जगहों से खरीद कर लाते हैं। इससे, इस साल मजदूरी प्रति व्यक्ति 1000 रुपए से लेकर 1200 रुपए तक पड़ रहा है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 386 परियोजनाओं की लागत 4.7 लाख करोड़ बढ़ी

रिपोर्ट के अनुसार जुलाई, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,50,275.69 करोड़ रुपए खर्च हो चुके

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 386 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जुलाई, 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,505 परियोजनाओं में से 386 की लागत बढ़ गई है, जबकि 661 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,21,793.23 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,92,537.79 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,70,744.56 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार जुलाई, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,50,275.69 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 52.08 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 511 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 581 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 661 परियोजनाओं में से 134 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 114 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 289 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 124 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 661 परियोजनाओं में हो रहे विलंब का औसत 41.83 महीने है।

विदेशी निवेशकों ने अब तक शेयरों में 49,254 करोड़ निवेश किया

- लगातार नौ माह तक बिकवाल रहने के बाद जुलाई में एफपीआई पहली बार शुद्ध लिवाल बने थे

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में जोरदार निवेश किया है। पिछले महीने लंबे अंतराल के बाद एफपीआई शुद्ध लिवाल बने थे। कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने तथा वृहद बुनियाद मजबूत होने के बीच विदेशी निवेशकों ने अगस्त में 49,254 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह जुलाई में एफपीआई द्वारा किए गए 5,000 करोड़ रुपए के निवेश से कहीं ऊंचा आंकड़ा है। लगातार नौ माह तक बिकवाल रहने के बाद जुलाई में एफपीआई पहली बार शुद्ध लिवाल बने थे। उनकी बिकवाली का सिलसिला पिछले साल अक्टूबर से शुरू होकर इस साल जून तक चला। इस दौरान उन्होंने 2.46 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगामी महीनों में एफपीआई का रुझान काफी हद तक जिंस कीमतों, भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर रुख से तय होगा। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने जैकसन होल में अत्यधिक आक्रामक रुख का संकेत दिया है। इससे लघु अवधि में भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह प्रभावित हो सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 26 अगस्त के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में 49,254 करोड़ रुपए डाले हैं। यह चालू साल में उनके द्वारा किया गया सबसे ऊंचा निवेश है। वैश्विक स्तर पर मंदी की आशंका तथा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहे हैं। यह एक मुख्य वजह है कि एफपीआई ने भारतीय बाजार में जमकर लिवाली की है। जानकारों का मानना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने की वजह से एफपीआई का भारतीय बाजारों में प्रवाह बढ़ा है। महंगाई अब भी ऊंचे स्तर पर है लेकिन हाल के समय में इसमें वृद्धि उम्मीद से कम रही है, जिसके चलते धारणा सुधरी है। ऐसे में यह संभावना बनी है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक कम आक्रामक रुख अख्तियार करेगा। यह एक प्रमुख वजह है कि एफपीआई की भारतीय बाजारों में लिवाली बढ़ी है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 4,370 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

सब्सिडी वाली सभी उर्वरक अक्टूबर से भारत ब्रांड के नाम से बेची जाएंगी

नई दिल्ली ।

यूरिया और डीएपी जैसे सब्सिडी वाले सभी उर्वरकों की बिक्री सरकार अक्टूबर से 'भारत' नाम के एकल ब्रांड के तहत करेगी। उर्वरकों को समय पर किसानों को उपलब्ध कराने और मालढुलाई सब्सिडी की लागत घटाने के लिए सरकार ऐसा करने जा रही है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रधानमंत्री भारतीय जनउर्वरक परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत 'एक राष्ट्र एक उर्वरक' पहल की शुरुआत करते हुए इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अक्टूबर से सब्सिडी वाले सभी उर्वरकों को 'भारत' ब्रांड के तहत ही बेचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उर्वरक कंपनियां बोरी के एक-तिहाई हिस्से पर अपना नाम, ब्रांड, प्रतीक (लोगो) और अन्य जरूरी सूचनाएं दे सकेंगी लेकिन उर्वरक की बोरी के दो-तिहाई हिस्से पर भारत ब्रांड और पीएमबीजेपी का लोगो लगाना होगा। उर्वरक कंपनियों को अपना मौजूदा स्टॉक बेचने के लिए दिसंबर के ओ खिरी तक का समय दिया गया है। सरकार ने पिछले वित्त वर्ष (2021-22) में 1.62 लाख करोड़ रुपए की उर्वरक सब्सिडी दी थी। पिछले पांच-महीनों में उर्वरकों के दाम वैश्विक स्तर पर बढ़ने से चालू वित्त वर्ष में सरकार

पर उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपए हो जाने की आशंका जताई गई है।

मांडविया ने कहा कि सरकार यूरिया के खुदरा मूल्य के 80 प्रतिशत की सब्सिडी देती है। इसी तरह डीएपी की कीमत का 65 प्रतिशत, एनपीके की कीमत का 55 प्रतिशत और पोटाश की कीमत का 31 प्रतिशत सरकार सब्सिडी के तौर पर देती है। इसके अलावा उर्वरकों की ढुलाई पर भी सालाना 6,000-9,000 करोड़ रुपए लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल कंपनियां अलग-अलग नाम से ये उर्वरक बेचती हैं लेकिन इन्हें एक से दूसरे राज्य में भेजने पर न सिर्फ ढुलाई लागत बढ़ती है बल्कि किसानों को समय पर उपलब्ध कराने में भी समस्या आती है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए अब एक ब्रांड के तहत सब्सिडी वाली उर्वरक बनाई जाएगी।

तीनो प्रारुपों में 100 मैच खेलने को लेकर डिविलियर्स ने विराट को बधाई संदेश भेजा

दुबई । दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहल को एक बधाई संदेश भेजा है। डिविलियर्स ने विराट को यह संदेश तीनों प्रारुपों में 100-100 मैच खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने को लेकर दिया है। डिविलियर्स ने अपने इस बधाई संदेश में कहा है कि मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त विराट कोहली को क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 100 मैच खेलने वाले भारत के पहले क्रिकेटर बनने पर बधाई देना चाहता हूं। विराट पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरते ही क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 100 मैच खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा के बाद 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अबतक क्रिकेट के तीनों प्रारूप में 100 या उससे अधिक मुकाबले खेले का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर के नाम दर्ज है। अब कोहली भी टेलर के साथ इस खास सूची में शामिल हो जाएंगे।

अमेरिकी ओपन आज से, जोकोविच नजर नहीं आयेंगे

नडाल , मेदवेदेव, अल्काराज, सितसिपास और रुड के पास खिताब जीतने का अवसर

न्यूयार्क ।

साल का अंतिम ग्रैंडस्लैम खिताब अमेरिकी ऑपन टेनिस टूर्नामेंट सोमवार से यहां शुरु होगा। इस बार विश्व के नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच इसमें खेलते हुए नजर नहीं आयेंगे। कोविड-19 टीकाकरण नहीं होने के कारण जोकोविच को इसमें प्रवेश नहीं मिला है। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी बाहर रहे थे। जोकोविच के बाहर रहने से स्पेन के राफेल नडाल 11 सितंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में जीत के प्रबल दावेदार हैं। नडाल साल 2019 के बाद यहां पहली बार खेल रहे हैं। विश्व के मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी और गत अमेरिकी ओपन चैंपियन डेनियल मेदवेदेव, कार्लोस अल्काराज, स्टेफानोस सितसिपास और कैस्पर रुड को रैंकिंग में शीर्ष पर रहने के लिए इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनानी होगी। वहीं महिला एकल में अमेरिका की नाओमी ओसाका को भी इस टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग गिरी है। ओसाका अब 44वें नंबर पर है और वह पिछले तीन मुकाबले हारी हैं। अमेरिकी ओपन के दौरान पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में मैच के दौरान कोचिंग की अनुमति दी जाएगी। कोच को कोर्ट के पास निश्चित सीट पर बैठना होगा और वे उसी समय खिलाड़ियों के साथ संवाद कर सकते हैं जब वे कोर्ट के एक ही छोर पर हों। इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे शीर्ष अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज इस नये नियम को सही नहीं मानते हैं। फ्रिट्ज ने कहा, ''मुझे यह पसंद नहीं है। टेनिस एक व्यक्तिगत खेल है ऐसे में कोई और आपकी सहायता कैसे कर सकता है?'' वहीं नये नियम के अनुसार अमेरिकी ओपन में अंतिम सेट टाईब्रेकर जीतने के लिए अब सात अंक जीतना पर्याप्त नहीं है। अब एक खिलाड़ी को जीतने के लिए कम से कम 10 अंक जीतने होंगे। अमेरिकी ओपन इस सत्र में एक समान प्रणाली अपनाने के लिए तीन अन्य प्रमुख टूर्नामेंटों के साथ शामिल होने के लिए तैयार है। दूसरी ओर महिलाओं के मुकाबलों के तीसरे सेट और पुरुषों के मुकाबलों के पांचवें सेट में 6-6 के स्कोर पर टाईब्रेक होगा और पहले 10 अंक हासिल करने वाला, दो अंक की बढ़त के साथ ही टाईब्रेकर में जीतेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एकदिवसीय में जिम्बाब्वे को हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

टाउंसविल ।

कैमरन ग्रीन की शानदार गेंदबाजी के बाद डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराने के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में ग्रीन की अहम भूमिका रही। ग्रीन ने करियर में पहली बार 33 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके स्पिनर अलावा एडम जंपा ने भी 57 रन देकर तीन विकेट लिए। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.3 ओवर में 200 रनों पर ही सिमट गई। टीम ने अंतिम छह विकेट केवल 15 रनों के अंदर ही खो दिये। वहीं मेहमान टीम जिम्बाब्वे की ओर से वेस्ली माधेवेरे ने सबसे अधिक 72 रन और जबकि सलामी बल्लेबाज तादिवनाशे मारूमानी ने 45 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान रेगिस चकाबवा ने भी 31 रन दिये। इसके बाद

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 34वें ओवर में ही पांच विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से वार्नर ने 66 गेंद में सात चौकों और एक छक्के से 55 रन जबकि स्मिथ ने 80 गेंद में नाबाद 48 रन बनाए। ग्लेन मैक्सवेल नौ गेंद में तीन छक्कों और तीन चौकों की सहायता से नाबाद 32 रन बनाने में सफल रहे। मैक्सवेल ने लगातार दो छक्के लगाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत दिलाई।

नीरज ने टोक्यो में सवर्ण जीतने वाला भाला ओलंपिक संग्रहालय को भेंट किया

लुसाने । टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपना यह भाला ओलंपिक संग्रहालय को भेंट में दिया। नीरज एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी है। वह टोक्यो खेलों में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में पदक जीतने वाले भारत के पहले एथलीट बने थे। उन्होंने अब अपना यह सबसे कीमती उपहार संग्रहालय को सौंपा है। उन्होंने टोक्यों में 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया था। नीरज ने संग्रहालय को भाला भेंट देने पर कहा, ''किसी भी एथलीट के लिए, दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम होना एक बड़ा सम्मान है।'' इस संग्रहालय में 120 वर्षों का समृद्ध संग्रह है, इसमें अभिनव बिंद्रा की 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली राइफल भी शामिल है। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। ओलंपिक विरासत को संरक्षित करने के इरादे से शुरू किये गये इस संग्रहालय का प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की विरासत टीम करती है। नीरज ने कहा, ''मैं संग्रहालय में बिंद्रा की राइफल देख सकता हूं जिससे मुझे बहुत प्रेरणा मिलती है। ठीक उसी प्रकार मुझे उम्मीद है कि मेरे भाले का भी प्रभाव अन्य खिलाड़ियों पर होगा। इस अवसर पर आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य बिंद्रा भी उपस्थित थे। बिंद्रा ने कहा कि भारतीयों में मेरी राइफल अब तक अकेली थी। मुझे खुशी है कि नीरज का भाला ओलंपिक संग्रहालय में मेरी राइफल के साथ जुड़ गया है।

एशिया कप में पाक से अहम मुकाबले से पहले दुबई पहुंचे द्रविड़

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आज एशिया कप क्रिकेट में पाकिस्तान से अहम मुकाबले से पहले दुबई पहुंच गये हैं। द्रविड़ कोरोना से उबर गये हैं पर वह अभी टीम के साथ नहीं रहते हुए केवल मैच देखेंगे। हाल में द्रविड़ कोरोना संक्रमित हुए थे जिस कारण उन्हें टीम के साथ नहीं भेजा गया था। इसी कारण वीवी एस लक्ष्मण को कोच की जिम्मेदारी दी गयी थी। वहीं बीसीसीआई के अनुसार कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आते ही द्रविड़ टीम से जुड़ेंगे। द्रविड़ के कामकाज संभालते ही लक्ष्मण स्वदेश लौट जाएंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लक्ष्मण को टीम इंडिया के कार्यवाहक कोच की जिम्मेदारी दी गयी थी। द्रविड़ के जुड़ने से कप्तान रोहित शर्मा और उनकी टीम का हौंसला बढ़ा है। भारतीय टीम इस मैच में जीत के साथ ही पिछले टी20 विश्व कप में मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी।

पाक के खिलाफ मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है:

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई,

भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और आवेश खान।

पाक टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहबाज धानी और उस्मान कादिर।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। राहुल को आईपीएल में एक रेव पार्टी में लिप्त पाये जाने के बाद से ही भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। वापसी के अपने अवसरों के समाप्त होने के साथ ही इस खिलाड़ी ने खेल को अलविदा कह दिया। राहुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालते हुए खेल से संन्यास की बात कही है। साल 2011 में उन्होंने आईपीएल टूर्नामेंट के दौरान सचिन तेंदुलकर को आउट कर सबका ध्यान खींच था। इसके बाद से ही वह आईपीएल स्टार बन गए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिख है, 'इसमें कहा गया कि मैं अपने करियर के अहम मौकों पर चोट से परेशान रहा। इस वजह से मुझे काफी निराशा भी हुई। मैंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में काफी मेहतन की पर मौके आसानी से नहीं मिले। सचिन को याद आया कि मैं प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना चाहता था और उन्होंने मुझे रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेलने का यह अवसर दिया। मैंने इस लीग के साथ अपनी दूसरी पारी शुरू करने का फैसला किया है।' गौरतलब है कि साल 2012 उनके लिए अच्छा नहीं रहा। इसी साल वह अफ्रीकी प्लेयर वायने पार्नेल के साथ रेव पार्टी में पकड़े गए थे। तब पार्नेल ने कहा था कि वह नशा नहीं करते और गलत समय पर गलत स्थान पर समय बिता रहे थे। राहुल ने कुल छह अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए नौ विकेट लिए। इसके अलावा आईपीएल में कुल 44 मैच खेले थे जिसमें उन्हें 40 विकेट मिले।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के शीर्ष पद के लिए एएचएफ इकराम, बेल्जियम के कोड्रोन ने किया नामांकन

लुसाने । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष पद के लिए होने वाले अध्यक्षीय चुनाव के लिए एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद तैय्यब इकराम और बेल्जियम के मार्क कोड्रोन ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ नामांकन दाखिल किया है जिसके लिये चुनाव पांच नवंबर को 48वीं एफआईएच कांग्रेस के दौरान कराये जायेंगे। मिस्र के सैफ अहमद इस समय एफआईएच के कार्यकारी अध्यक्ष हैं जिन्हें पिछले महीने नरिंदर बत्रा के इस्तीफे के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गयी। बत्रा 2016 में एफआईएच अध्यक्ष बने थे जिन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था और साथ ही भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) प्रमुख पद भी छोड़ दिया था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सदस्यता भी छोड़ दी थी। एफआईएच ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस में एफआईएच कार्यकारी बोर्ड के चार पदों के लिये चुनाव होगा और अगर मौजूदा बोर्ड सदस्य मोहम्मद तैय्यब इकराम अध्यक्ष चुने जाते हैं तो पांच पद के लिये चुनाव होगा। एफआईएच के नये अध्यक्ष के लिये कार्यकाल दो वर्ष का होगा ताकि पूर्व प्रमुख का कार्यकाल समय पूरा हो जाये।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : लीवरपूल ने नौ गोल दागे, हैलेंड ने सिटी के लिए हैट्रिक बनाई

लंदन।

सत्र की शुरुआत दो ड्रॉ और एक हार से करने वाले लीवरपूल ने शनिवार को जोरदार वापसी करते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में बोर्नेमाउथ को 9-0 से रौंद दिया। लीवरपूल ने इसके साथ ही ईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी जीत की बराबरी की। लीवरपूल की ओर से एनफील्ड स्टेडियम में रॉबर्टो फर्मिनो ने दो गोल दागे जबकि तीन गोल करने में मदद की। गत चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी ने लगातार दूसरे मैच में दो गोल से पिछड़ने के बाद क्रिस्टल पैलेस को अपने ही मैदान पर 4-2 से हराया। एर्लिंग हैलेंड ने दूसरे हाफ में हैट्रिक बनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। आर्सेनल ने अपनी जीत का क्रम जारी रखते हुए पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फुलहैम को 2-1 से हराया। मैनचेस्टर यूनाईटेड और चेल्सी भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। यूनाईटेड ने ब्रूनो फर्नांडिज के गोल की मदद से साउथम्पटन को 1-0 से हराकर लीग में फरवरी के बाद पहली बार लगातार दो मैच जीते। चेल्सी ने रहीम स्टर्लिंग के दो गोल से लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि ब्राइटन ने लीड्स को 1-0 से शिकस्त दी। ब्रेंटफोर्ड ने एवर्टन से 1-1 से ड्रॉ खेला।

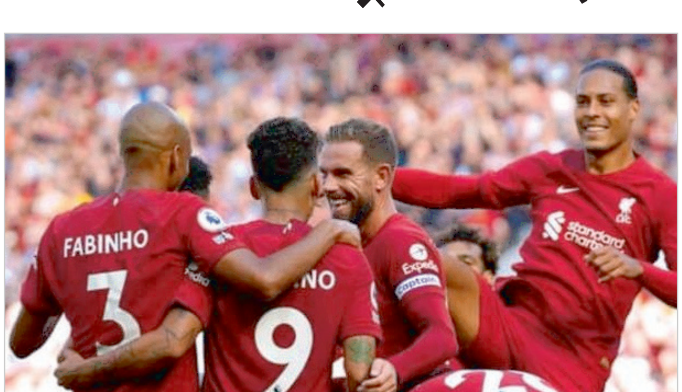

श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के पहले ही मैच में मिली जीत से उत्साहित हैं नबी

दुबई । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद नबी यहां श्रीलंका के खिलाफ टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में मिली शानदार जीत से उत्साहित हैं। नबी ने कहा है कि आठ विकेट से मिली इस जीत से उनकी टीम का हौंसला बढ़ा है। अफगानिस्तान ने पहले ही मैच में श्रीलंकाई टीम को 19.4 ओवर में ही 105 रन पर आउट कोन के बाद केवल 10.1 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया था। तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी ने 11 रन देकर 3 विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को शुरुआत में ही एक करार झटका दिया जिससे वह उबर नहीं पायी। अफगानिस्तान की टीम सुपर-4 में पहुंचने से अब एक कदम ही दूर है। उसे ग्रुप दौर के अंतिम मैच में बांग्लादेश से खेलना है। कप्तान नबी ने मैच के बाद अपने गेंदबाजों की सराहना करते हुए कहा, 'हमारे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। खासकर तेज गेंदबाज फारूकी को शुरुआत में गेंदबाजी देना अच्छा रहा। हमें योजना के अनुसार गेंदबाजी से लाभ मिला।' उन्होंने कहा कि अगर हमारे गेंदबाजों को स्विंग मिलता है, तो हम आक्रामक गेंदबाजी करना पसंद करते है। वहीं इसके बाद सलामी बल्लेबाजों ने आत्मविश्वास से बल्लेबाजी कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। वहीं मैच में 4 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट लेने वाले नबी ने कहा कि इस जीत से हमारा मनोबल बढ़ा है। अब हम अगले मैच में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वहीं फजलहक फारुकी ने कहा कि यह हमारे देश के लिए बड़ी जीत है। नई गेंद से मेरी योजना टीम को शुरुआती सफलता दिलाने की थी। मैं अंतिम ओवरों में यॉर्कर गेंद भी डाल सकता हूं। श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने कहा कि उनकी टीम को अगले मैच में बड़ी जीत दर्ज करने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हमें पिच और हालातों के अनुसार खेलना होगा। पिच पर घास थी और हमारे स्पिनरों को उससे सहायता नहीं मिली। दूसरी ओर विरोधी टीम के स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि हमने कुछ खराब शॉट खेले।

राष्ट्रमण्डल खेलों में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों को ईनाम देगी सरकार : मान

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल हुए राज्य के 23 खिलाड़ियों को ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। सरकार नौ करोड़ रुपये की ईनामी राशि पदक विजेताओं के साथ ही इस टूर्नामेंट में शामिल सभी खिलाड़ियों के बीच बांटेगी। इसमें रजत पदक विजेता को 50 लाख रुपये, कांस्य पदक विजेता को 40 लाख रुपये और भाग लेने वाले खिलाड़ी को 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब को खेलों के क्षेत्र में आगे लाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही ये भी कहा कि पंजाब में खेल कुंभ आयोजित करने की भी योजना है। इसमें पंजाब से निकलने वाली सभी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि 29 अगस्त से पंजाब में एक कार्यक्रम शुरु किया गया है। इसमें खिलाड़ियों के अलावा आम नागरिक भी शामिल हो सकेंगे। यह पंजाब की नई-नई प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर मंच के रूप में काम करेगा। बर्मिंघम में पंजाब के 23 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें से 19 खिलाड़ियों ने तीन रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं।

भूटिया ने फीफा के फैसले का स्वागत किया, कहा यह बदलाव का समय है

नयी दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया ने विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह व्यवस्था में बदलाव करने का समय है। उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रशासकों की समिति को बर्खास्त करने के बाद फीफा ने एआईएफएफ लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया जिससे भारत का फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी करने का रास्ता भी साफ हो गया। भूटिया ने कहा- यह शानदार खबर है। मैं फीफा के एआईएफएफ पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत करता हूं। यह भारतीय फुटबॉल की जीत है। उन्होंने कहा- मैं अपने युवा खिलाड़ियों के लिए खुश हूं क्योंकि अब उन्हें महिला अंडर-17 विश्वकप में अपने आयु वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। फीफा ने 15 अगस्त को तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव का हवाला देकर एआईएफएफ पर प्रतिबंध लगा दिया था। एआईएफएफ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल भूटिया ने कहा कि यह देश के फुटबॉल प्रशासन में बदलाव का समय है ताकि भविष्य में निलंबन की किसी स्थिति से बचा जा सके। भूटिया ने कहा- यह सबक सीखने और भारतीय फुटबॉल प्रशासन में बदलाव और सुधार लाने का समय है। हमें व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। मेरा मानना है कि अगर हमारे पास अच्छी प्रणाली और प्रशासन में अच्छे व्यक्ति रहते हैं तो भारतीय फुटबॉल नई ऊंचाइयां हासिल कर सकता है।

बेल्जियम में फरारी के चार्ल्स व कार्लोस सेंज रेस में भाग लेते हुए।

अखंड सौभाग्य का प्रतीक है हरतालिका व्रत

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि हरितालिका तीज के नाम से शिव-पार्वती भक्तों में लोकप्रिय है। यह पर्व शिव-पार्वती के अखंड जुड़ाव का प्रतीक है। समाज में पति और पत्नी के बीच जो जुड़ाव है, वह क्या है? क्या इनके मध्य कोई ऐसी डोर भी है, जो हमको एक शांत और मंगलकारी परिवार की ओर ले जाती है? दूसरा प्रश्न... परिवार तो अन्य देवों के भी हैं, लेकिन सनातन संस्कृति में शिव परिवार ही क्यों आदर्श बना? भगवान शंकर और पार्वती के मिलन के कई प्रसंग हमारे लिए आदर्श हैं। शिव पुराण से लेकर श्रीरामचरितमानस तक अनेक ग्रंथों में शिव और पार्वती को श्रद्धा और विश्वास की संज्ञा दी गई है। श्रद्धा पार्वती जी हैं और विश्वास साक्षात भगवान शंकर हैं। जब एक-दूसरे के प्रति श्रद्धा और विश्वास होगा, तो वह आदर्श परिवार होगा। जहां इनमें से किसी एक की भी कमी होगी, परिवार संकट और क्लेश में घिर जाएगा। शिव प्रसंग में दो स्त्री आती हैं। एक सती और दूसरी पार्वती। हम पार्वती के रूप में स्त्री को अंगीकार करते हैं। क्यों? पार्वती जी को ही हमने अक्षत सुहाग की अधिष्ठात्री माना है, क्योंकि वहां समर्पण है। सती प्रसंग में अपनी जिद है, लेकिन पार्वती के रूप में हर स्त्री सौभाग्यवती है। हरतालिका तीज का प्रसंग भी इसी से जुड़ा है। अविवाहिताओं के लिए मुख्य रूप से यह व्रत है, जो पूर्वांचल और बिहार आदि में प्रमुखता से किया जाता है। पश्चिमांचल में यही व्रत सावन में तीजोत्सव के रूप में आता है। हरतालिका तीज भादों (भाद्रपद) मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को होती है। दोनों की कथा एक ही है, लेकिन मर्म व्यापक है। पूर्वजन्म में सती होने के बाद देवी ने अगले जन्म में पार्वती के रूप में अवतरण किया। भगवान शंकर को पाने के लिए घोर तप किया। अन्न-जल त्याग दिया। उनका शरीर पर्ण के समान हो गया। यहीं से देवी का नाम अपर्णा पड़ा। भूख और प्यास को सहन करते हुए देवी ने केवल एक ही प्रण किया कि वह शंकर जी को ही वरण करेंगी। तप तो पूरा हुआ, लेकिन भगवान शंकर कहां मानने वाले थे। कथा आती है कि तारकासुर के संहार के लिए शंकर जी ने पार्वती से विवाह किया, क्योंकि तारकासुर को वरदान प्राप्त था कि शंकर जी के पुत्र (गर्भ से उत्पन्न) द्वारा ही वह मृत्यु को प्राप्त हो सकता है। अंततोगत्वा कार्तिकेय के रूप में पार्वती जी ने पुत्र को जन्म दिया और तब जाकर तारकासुर से मुक्ति मिली। हरतालिका तीज इच्छित वर की कामना का व्रत है। इच्छित वर की कामना को गलत नहीं माना नहीं गया। वरन इसके व्रत भी हैं। हरितालिका इसमें से एक है। कालांतर में, सुहागिन स्त्रियां भी व्रत को करने लगीं। पार्वती जी की तरह निर्जल रहने लगीं। मुख्य उद्देश्य एक ही है शिव ही शिव हो, यानी कल्याण। परिवार में भी और दाम्पत्य जीवन में भी। शिव कल्याण के देव हैं और पार्वती जी कल्याणी। पारिवारिक और वैवाहिक, सभी संस्कारों की नींव शिव परिवार से ही पड़ी। यह सुखी और आदर्श परिवार है। इसमें कार्तिकेय के रूप में गर्भोत्पन्न शिशु भी हैं, तो मानस पुत्र के रूप में गणेश जी भी। अशुभता और शुभता का संकेत देने वाला नादिया भी है तो श्रद्धा के रूप में साक्षात पार्वती जी भी हैं। इन सभी का विश्वास शिव में है। शिव का विश्वास इनमें है। इसलिए, शिव परिवार सुखी परिवार है। जिस तरह माता पार्वती का सुहाग अक्षत है, उसी तरह व्रत को करने वालों का भी हो, यही कामना सनातन है। यही हरतालिका है। हम सभी परिवार के लिए कुछ न कुछ समर्पण करते हैं। अन्न-जल का त्याग इसी संकल्प का हिस्सा है। सब सुखी हों, सभी का परिवार श्रद्धा व विश्वास के साथ फूले-फले, यही कामना हमको और हमारी संस्कृति को पल्लवित करती है।

घर में पधारो गजानन जी, मेरे घर में पधारो

एकदंत, श्री गणेश, गजानन, विनायक, लंबोदर और वक्रतुंड के नाम से पुकारे जाने वाले भगवान श्री गणपति का पृथ्वी पर शुभागमन हो रहा है। प्रथम पूज्य श्री गणेश हमारे अति विशिष्ट, सौम्य और आकर्षक देवता हैं। उनके आगमन के साथ ही पृथ्वी पर चारों तरफ रौनक, रोमांच और रोशनी बिखर जाती है।

इस सुंदर देवता से हर वर्ग, हर उम्र के व्यक्ति का लगाव है। ऐसे मेहमान जो मोहित करते हैं, मुग्ध करते हैं, मन को भाते हैं, क्योंकि वे आते हैं बिना किसी अपेक्षा के और देकर जाते हैं हमारी अपेक्षा से कई-कई गुना ज्यादा....असंख्य आशीर्वाद, अनगिनत शुभता और मांगल्य। स्वागत, वंदन, अभिनंदन की इस बेला में हर दिल से यही निकलता है-

घर में पधारो गजानन जी, मेरे घर में पधारो...

क्या करें श्री गणेश जी के आगमन से पहले-

घर को सजाएं। संवारें। निखारें। इतना खूबसूरत हो उनके आने से पहले आपका घर कि देखते ही वे प्रसन्न हो जाए। मुस्कुरा उठें और कहें कि बस अब कहीं नहीं जाना.. यहीं रहना है। सुख, सुविधा, आराम, खुशियां जितनी आप गणपति के समक्ष रखेंगे उतनी ही और उससे कहीं ज्यादा आपको प्रतिसाद में मिलेगी। उनके स्थापना का स्थान स्वच्छ करें। सबसे पहले स्थान को पानी से धोएं।

कुमकुम से एकदम सही व्यवस्थित स्वास्तिक बनाएं। चार हल्दी की बिंदी लगाएं। एक मुट्ठी अक्षत रखें। इस पर छोटा बाजोट, चौकी या पटा रखें। लाल, केसरिया या पीले वस्त्र को उस पर बिछाएं। स्थान को रोशनी से सुसज्जित करें। चारों तरफ रंगोली, फूल, आम के पत्ते और अन्य सजावटी सामग्री से स्थान को सुंदर और आकर्षक बनाएं।

आसपास इतना स्थान अवश्य रखें कि आरती की पुस्तक, दीप, धूप, अगरबत्ती, प्रसाद रख सकें। सपरिवार आरती में शामिल होना जरूरी है अतः किसी ऐसे कमरे में गणेश स्थापना करें जहां सब पर्याप्त दूरी के साथ खड़े हो सके। एक तांबे का सुस्वच्छ कलश शुद्ध पानी भर कर, आम के पत्ते और नारियल के साथ सजाएं। यह समस्त तैयारी गणेश उत्सव के आरंभ होने के पहले कर लें।

जब गजानन को लेने जाएं तो स्वयं नवीन वस्त्र धारण करें। पुरुष सिर पर टोपी, साफा या रूमाल रखें। स्त्रियां सुंदर रंगबिरंगे वस्त्र के साथ समस्त आभूषण पहनें। सुगंधित गजरा लगाएं। अगर उपलब्ध हो तो चांदी की थाली साथ में लेकर जाएं ना हो तो पीतल या तांबे की भी चलेगी। सबसे आसान है लकड़ी का वस्त्र से सुसज्जित पाटा। साथ में सुमधुर स्वर की घंटी, खड़ताल, झांझ-मंजीरे लेकर जा सके तो अति उत्तम।

मंगल प्रवेश-

घर की मालकिन गणेश को लाकर द्वार पर रोकें। स्वयं अंदर आकर पूजा की थाली से उनकी आरती उतारें। उनके लिए सुंदर और शुभ मंत्र बोलें। आदर सहित् गजानन को घर के भीतर उनके लिए तैयार स्थान पर जय-जयकार के साथ शुभ मुहूर्त में स्थापित करें। सभी परिजन मिलकर कर्पूर आरती करें। पूरी थाली का भोजन परोस कर भोग लगाएं। लड्डू या मोदक अवश्य बनाएं। पंच मेवा भी रखें। प्रतिदिन प्रसाद के साथ पंच मेवा जरूर रखें।

पूजन विधि-

आचमन- ऊँ केशवाय नमः। ? नारायणाय नमः। ? माधवाय नमः।

कहकर हाथ में जल लेकर तीन बार आचमन करें एवं ? ऋषिकेशाय नमः कहकर हाथ धो लें।

इसके बाद प्राणायाम करें एवं शरीर शुद्धि निम्न मंत्र से करें। (मंत्र बोलते हुए सभी ओर जल छिड़कें)...।

ऊँ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः।।

सावधानियां-

गणेश जी के स्थान के उलटे हाथ की तरफ जल से भरा हुआ कलश चावल या गेहूं के ऊपर स्थापित करें। धूप व अगरबत्ती लगाएं। कलश के मुख पर मौली बांधें एवं आमपत्र के साथ एक नारियल उसके मुख पर रखें।

नारियल की जटाएं सदैव ऊपर रहनी चाहिए। घी एवं चंदन को ताम्बे के कलश में नहीं रखना चाहिए। गणेश जी के स्थान के सीधे हाथ की तरफ घी का दीपक एवं दक्षिणावर्ती शंख रखना चाहिए। सुपारी गणेश भी रखें।

पूजन के प्रारंभ में हाथ में अक्षत, जल एवं पुष्प लेकर स्वस्तिवाचन, गणेश ध्यान एवं समस्त देवताओं का स्मरण करें। अब अक्षत एवं पुष्प चौकी पर समर्पित करें। इसके पश्चात एक सुपारी में मौली लपेटकर चौकी पर थोड़े-से अक्षत रख उस पर वह सुपारी स्थापित करें। भगवान गणेश का आह्वान करें। गणेश आह्वान के बाद कलश पूजन करें। कलश उत्तर-पूर्व दिशा या चौकी की बाईं ओर स्थापित करें। कलश पूजन के बाद दीप पूजन करें। इसके बाद पंचोपचार या षोडषोपचार के द्वारा गणेश पूजन करें। परंपरानुसार पूजन करें। आरती करें।

विशेष- 10 दिन तक नियमित समय पर आरती करें। अपनी सुविधानुसार समय को घटाएं या बढ़ाएं नहीं। गणेश जी प्रतीक्षा करना कतई पसंद नहीं करते हैं। उन्हें समय पर प्रसाद और आरती से प्रसन्न करें।

पूजन- पंचोपचार पूजन- 1. गंध, 2. पुष्प, 3. धूप, 4. दीप, 5 नैवेद्य।

षोडषोपचार पूजन-

1. आह्वान, 2 आसन (स्थान ग्रहण कराएं), 3 पाद्य (हाथ में जल लेकर मंत्र पढ़ते हुए प्रभु के चरणों में अर्पित करें), 4. अर्घ्य (चंद्रमा को अर्घ्य देने की तरह पानी छोड़ें), 5 आचमनीय (मंत्र पढ़ते हुए 3 बार जल छोड़ें), 6. स्नान (पान के पत्ते या दूर्वा से पानी लेकर छींटें मारें), 7. वस्त्र (सिलेसिलाए वस्त्र, पीताम्बरी कपड़ा या कलावा), 8. यज्ञोपवीत (जनेऊ), 9. आभूषण (हार, मालाएं, पगड़ी आदि), 10. गंध (इत्र छिड़कें या चंदन अर्पित करें), 11. पुष्प, 12. धूप, 13. दीप, 14. नैवेद्य (पान के पत्ते पर फल, मिठाई, मेवे आदि रखें।), 15. ताम्बूल (पान चढ़ाएं), 16. प्रदक्षिणा व पुष्पांजलि।

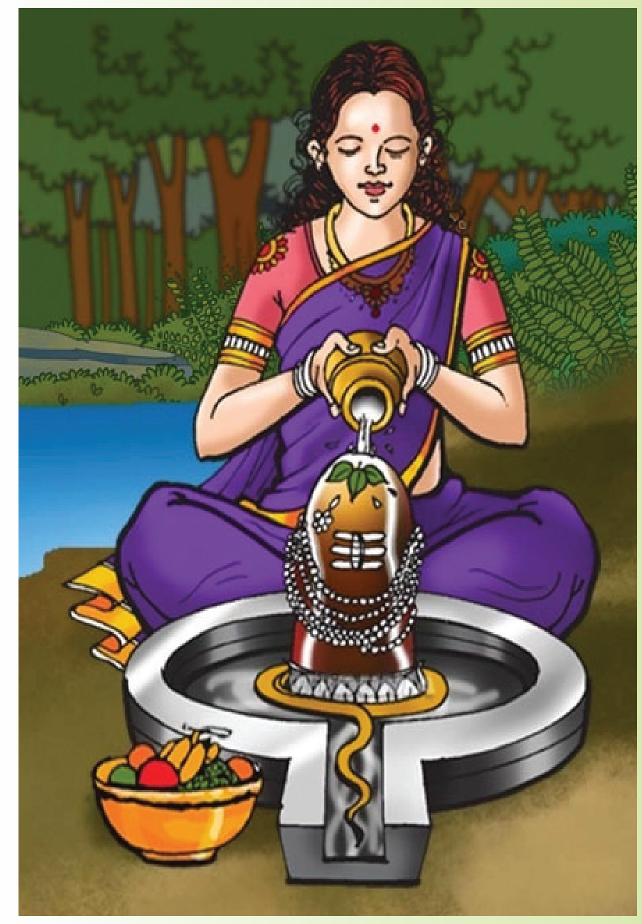

हरतालिका तीज क्यों है खास इस बार, ग्रहों की शुभ छाया में होगी पूजा, मिलेगा भगवान शिव का आशीष

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया के दिन महिलाएं हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन बालू के शिवलिंग बनाकर उसकी 8 प्रहर पूजा होती है या शुभ मुहूर्त में भी पूजा करते हैं। इस बार का हरतालिका तीज पर ग्रहों के शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में शिवजी की पूजा से मिलेगा उनका आशीर्वाद। इस बार 30 अगस्त 2022 को यह व्रत रखा जाएगा।

तिथि: तृतीया तिथि 29 अगस्त दिन सोमवार को दोपहर 03 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 30 अगस्त मंगलवार को दोपहर 03 बजकर 33 मिनट रहेगी। उदयातिथि के अनुसार हरतालिका तीज का व्रत 30 अगस्त को रखा जाएगा।

ग्रह संयोग

1. रवियोग : इस दिन हस्त नक्षत्र रहेगा। दिनभर रवियोग रहेगा।
2. स्वराशि के ग्रह : इस दिन सूर्य सिंह में, बुध कन्या में, गुरु मीन में और शनि मकर में रहेगा।
3. अन्य ग्रह : इस दिन चंद्र कन्या में, केतु तुला में, राहु मेष में, मंगल वृषभ में और शुक्र कर्क में रहेगा।

हरतालिका तीज पूजा के शुभ मुहूर्त

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:33 से 12:24 तक।
विजयी मुहूर्त : दोपहर 02:05 से 02:56 तक।
अमृत काल मुहूर्त : शाम 05:38 से 07:17 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:07 से 06:31 तक।
सायाह्न संध्या मुहूर्त : शाम 06:19 से 07:27 तक।
निशीथ मुहूर्त : रात्रि 11:36 से 12:21 तक।
नोट : पंचांग भेद और स्थानीय समय अनुसार समय में थोड़ी बहुत घट-बढ़ रहती है।

श्री गणेश चतुर्थी, महाभारत और वेद व्यास का क्या है कनेक्शन

31 अगस्त को गणेश स्थापना होगी और गणेशोत्सव पर्व मनाया जाएगा। भाद्रपद के शुक्ल चतुर्थी के दिन भगवान गणेशजी का जन्म हुआ था। गणेशजी सतयुग में, त्रेतायुग में और द्वापर युग में भी थे। द्वापर में उन्होंने प्रकट होकर वेद व्यासजी के कहने पर महाभारत लिखी थी। आओ जानते हैं इस संबंध में संपूर्ण इतिहास।

द्वापर में गणेशजी का अवतार: द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए। परंतु गणेशजी के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। वेद व्यासजी के पिता थे पराशर मुनि। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

यह भी कहा जाता है कि कहते हैं कि द्वापर युग में वे ऋषि पराशर के यहां गजमुख नाम से जन्मे थे। गजमुख नाम के राक्षस को मारने के कारण उनका ये नाम रखा गया जान पड़ता है। उनका वाहन मूषक था, जो कि अपने पूर्व जन्म में एक गंधर्व था। इस गंधर्व ने सौभरि ऋषि की पत्नी पर कुदृष्टि डाली थी जिसके चलते इसको मूषक योनि में रहने का श्राप मिला था। इस मूषक का नाम डिंक है।

द्वापर में सिंदुरासुर का किया था वध: द्वापर युग में गणेशजी मूषक पर सवार होकर प्रकट हुए थे। द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कहते हैं कि द्वापर के इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था। इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

गणेशजी को पौराणिक पत्रकार या लेखक भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने ही 'महाभारत' का लेखन किया था। इस ग्रंथ के रचयिता तो वेदव्यास थे, परंतु इसे लिखने का दायित्व गणेशजी को दिया गया। इसे लिखने के लिए गणेशजी ने शर्त रखी कि उनकी लेखनी बीच में न रुके। इसके लिए वेदव्यास ने उनसे कहा कि वे हर श्लोक को समझने के बाद ही लिखें। श्लोक का अर्थ समझने में गणेशजी को थोड़ा समय लगता था और उसी दौरान वेदव्यासजी अपने कुछ जरूरी कार्य पूर्ण कर लेते थे।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में दक्षिण एशियाई समुदाय ने चार भारतीय महिलाओं पर नस्ली हमले की निंदा की

ह्यूस्टन (अमेरिका)। अमेरिका में दक्षिण एशियाई समुदाय ने टेक्सास में मेक्सिको मूल की एक अमेरिकी महिला द्वारा चार भारतीय-अमेरिकी महिलाओं से नस्ली दुर्व्यवहार करने की घटना की कड़ी निंदा की है। यह घटना बुधवार रात को टेक्सास के डलास में एक पार्किंग क्षेत्र में हुई। एस्माराल्दा अपटन नामक महिला को एक वीडियो में अपने आप को मेक्सिको मूल की अमेरिकी नागरिक बताते हुए और भारतीय अमेरिकियों के एक समूह के साथ बदसलूकी करते हुए देखा गया है। उसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''मैं तुम भारतीयों से नफरत करती हूं। ये सभी भारतीय अमेरिका इसलिए आते हैं क्योंकि वे बेहतर जिंदगी चाहते हैं।'' उसे वीडियो में महिलाओं के समूह को यह कहते हुये भी देखा और सुना जा सकता है, ''भारत वापस जाओ। तुम...लोग इस देश को बर्बाद कर रहे हो।'' यह वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया है। 'इंडियन अमेरिकन सीईओ काउंसिल' के अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक अरुण अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि डलास-फोर्ट वर्थ इलाके में भारतीय-अमेरिकी समुदाय मजबूत है और मजबूती से आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा, ''जिन महिलाओं पर हमला किया गया वे सभी बहुत निपुण हैं और जिन समुदायों में वे रहती तथा काम करती हैं, उसके लिए काफी कुछ करती हैं। न तो उन्हें और न ही किसी और इस तरीके से अपमानित किया जाना चाहिए।

लीबिया में हिंसक झड़पों में 13 लोगों की मौत

काहिरा। लीबिया की राजधानी त्रिपोली में दो प्रतिद्वंद्वी प्रशासकों द्वारा समर्थित मिलिशिया के बीच हिंसक झड़पों में शनिवार को 13 लोगों की मौत हो गयी। इस घटना से लंबे समय से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के बीच हिंसा फिर से शुरू होने की आशंका पैदा हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी और 95 से अधिक घायल हो गए हैं। उसने बताया कि प्रभावित इलाकों से 64 परिवारों को बचाया गया है। प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद देइबाह की सरकार ने दावा किया कि यह झड़प तब शुरू हुई जब एक मिलिशिया ने दूसरे मिलिशिया पर गोली चलायी। हालांकि, यह गोलीबारी प्रधानमंत्री देइबाह और उनके प्रतिद्वंद्वी प्रधानमंत्री फैथी बशागा के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष का नतीजा लग रही है। बशागा तटीय शहर सिरते से काम कर रहे हैं। देइबाह और बशागा दोनों को मिलिशिया का समर्थन हासिल है और बशागा अपने प्रतिद्वंद्वी को हटाने के लिए त्रिपोली में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। बशागा द्वारा त्रिपोली में अपनी सरकार बनाने की मई में की गयी कोशिश के बाद से झड़प शुरू हो गयी थी, जिसके कारण उन्हें राजधानी से हटना पड़ा था। आपात सेवाओं के प्रवक्ता मालेक मर्सेत ने बताया कि हिंसा की नयी घटना में जान गंवाने वाले दो लोगों में एक हास्य कलाकार मुस्तफा बराका है, जिन्हें सोशल मीडिया पर मिलिशिया तथा भ्रष्टाचार का मखौल उड़ाने वाले वीडियो के लिए जाना जाता था जबकि एक अन्य नागरिक की मौत भी गोली लगने से हुई। उन्होंने बताया कि रातभर हुई झड़पों में कई नागरिक घायल हो गए और यह झड़प शनिवार दोपहर तक चलती रही। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राजधानी में अस्पतालों तथा चिकित्सा केंद्रों पर गोलाबारी की गयी और एम्बुलेंस को नागरिकों को लाने से रोका गया।

मिजोरम में शिक्षक ने किया शर्मसार, यूनिफॉर्म उतरवा कर 6 वर्षीय छात्रा को निर्वस्त्र कर घर भेजा

आइजोल । पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम के दक्षिणी क्षेत्र में लुंगलेई जिले में यहां के थंगपुई गांव में एक सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक ने शर्मसार करने वाली करतूत की जिससे लोगों में आक्रोश है। कक्षा 1 में पढ़ने वाली छह साल की बच्ची की यूनिफॉर्म उतरवाकर उसे निर्वस्त्र कर घर भेज दिया। इस घटना का लोगों ने जमकर विरोध किया। आखिर आरोपी टीचर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। मामला 22 अगस्त का है। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल में एक लड़के ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की थी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी और उसे तत्काल इलाज की जरूरत थी। हालांकि वह पढ़ाई नहीं छोड़ना चाहती थी और तीन दिन बाद 25 अगस्त को वह फिर स्कूल पहुंची। बच्ची डरी हुई थी। बच्ची की मां ने बताया कि बच्ची के डर को देखते हुए वह उसे लेकर स्कूल पहुंचीं। उन्होंने उस लड़के को डांट लगाई और आगे से किसी बच्चे को तंग करने या मारपीट न करने की हिदायद दी। इधर स्कूल पहुंची टीचर को जब यह पता चला कि बच्ची की मां ने स्कूल में किसी छात्र को डांटा है तो वह नाराज हो गईं।

आरोप ही कि टीचर ने बच्ची को पूरी क्लास के सामने बुलाकर उसकी यूनिफॉर्म उतरवाकर अपने पास रख ली और बच्ची को नग्न कर घर भेज दिया। इधर बच्ची की मां उसे लेकर घर आई। बच्ची इस घटना पर इतना डर गई कि वह सदमे में है। पीड़िता का इलाज मिजोरम के लुंगलेई जिले के जॉन विलियम अस्पताल में चल रहा है। इधर यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। संविदा शिक्षक लालबियाकेंगी पर किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी रेक्स वंचावंग ने बताया कि केंद्र के सर्व शिक्षा अभियान के तहत भर्ती हुए लालबियाकेंगी को जिला बाल कल्याण समिति की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

हैदराबाद के आर्च बिशप पूला एथंनी बने कार्डिनल बिशप

वैटिकन सिटी । हैदराबाद के आर्च बिशप पूला एंथोनी को कार्डिनल चुन लिया गया है। वह इस कार्डिनल चुने जाने वाले पहले दलित हैं। रोम स्थित वेटिकन सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में पोप फ्रांसिस ने पूला के सिर पर बेहद खास 'लाल हैट' रखा और हाथों में अंगूठी पहनाई। वेटिकन सिटी में आयोजित भव्य समारोह में चर्च के 21 सदस्यों को कार्डिनल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वेटिकन में भारत के दो कार्डिनल- आर्कबिशप ऑफ गोवा एंड दमाओ के आर्कबिशप फिलिप नेरी एंटोनियो सेबेस्टियाओ डी रोजेरियो फेराराओ और आर्कबिशप दी हैदराबाद के आर्कबिशप एंथनी पूला को स्थान दिया गया है। इन दोनों के शामिल होने के बाद कार्डिनल में शामिल होने वाले भारतीय मूल के लोगों की संख्या कुल मिलाकर 6 हो गई है। इनका चयन, चर्च का ऐसा नेतृत्व तैयार करने के पोप फ्रांसिस के संकल्प का हिस्सा माना जा रहा है, जिससे कैथलिक चर्च का वैश्विक चेहरा प्रदर्शित होता हो। पूला का जन्म आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिंदुकुर गांव में हुआ था। 1992 में उनकी नियुक्ति एक पुजारी के तौर पर हुई है। वहीं 2008 में पूला को कुरनूल के बिशप के रूप में नियुक्त किया गया था। तब उनकी उम्र 60 साल थी। फादर फेराराओ का जन्म 20 जनवरी 1953 को पणजी के समीप एल्डोना गांव में हुआ। रोम में कार्डिनल चुने जाने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, एंथनी ने पोप फ्रांसिस के शब्दों को दोहराते हुए कहा मैं गरीबों के लिए एक गरीब चर्च की कामना कैसे करता हूं। मुझे लगता है कि दलित समुदाय को उठना चाहिए। उन्हें दुर्भाग्य से बाहर निकलना चाहिए। पोप फ्रांसिस ने इस साल मई में सेंट पीटर्स स्क्वायर में अपने पारंपरिक संबोधन के अंत में नए कार्डिनल के नामों की घोषणा की थी। कम से कम 16 नए कार्डिनल की उम्र 80 साल से कम है, जिससे वे गुप्त सम्मेलन में अगले पोप के चयन के लिए मतदान करने के पात्र होंगे। पोप से लाल हैट पाने वाले चर्च के सदस्यों में दो भारत के, जबकि एक-एक मंगोलिया, घाना, नाइजीरिया, सिंगापुर, पूर्वी तिमोर, पराग्वे और ब्राजील के हैं।

मस्क का निजी जेट ट्रैक करने वाले छात्र ने ट्रैकिंग रोकने के लिए उनके साथ सफर की रखी शर्त

न्यूयॉर्क। विश्व के सबसे रईस और अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के निजी जेट विमान को ट्रैक करने वाले अमेरिका के एक कॉलेज छात्र ने उनके सामने एक शर्त रखी है और कहा है कि अगर उसकी शर्त मान ली जाती है तो वह जेट की ट्रैकिंग बंद कर देगा। इस छात्र का नाम जैक स्वीनी है और वह आईटी का छात्र है। इसी साल फरवरी में उसने ट्रैकिंग रोकने के लिए मस्क से 50,000 डॉलर या इंटर्नशिप की मांग की थी। हालांकि, मस्क ने यह मामला निपटाने के लिए 5,000 डॉलर की पेशकश की थी। लेकिन इस बार स्वीनी ने मस्क से पैसा नहीं मांगा है। स्वीनी ने कहा है कि वह एलन मस्क के निजी जेट को ट्रैक करना बंद कर देगा अगर मस्क उन्हें अपने जेट में सफर कराएं, इसे रिकॉर्ड करें और इस बारे में लोगों से चर्चा करें। स्वीनी का कहना है कि इसके बाद शायद वह मस्क से पैसा भी नहीं लेगा। हालांकि, उसने इसे फिलहाल चर्चा का विषय बताया है। स्वीनी ने मस्क की एक 9 मिनट की फ्लाइट को ट्रैक कर सुर्खियां बटोरी थी। मस्क ने सैन जोस से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरी थी जो केवल 9 मिनट की फ्लाइट थी। यह बात एक ट्विटर हैंडल पर उजागर की गई थी। इस हैंडल को स्वीनी चलाता है। जैक स्वीनी सेंट्रल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी का छात्र है। जैक स्वीनी केवल एलन मस्क की ही जेट मूवमेंट ट्रैक नहीं करता बल्कि कई और हस्तियां उसके रडार पर हैं। वह टॉम क्रूज, बिल गेट्स और कार्दाशियां परिवार के कुछ सदस्यों के जेट मूवमेंट ट्रैक करता है।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस एक समारोह के दौरान लियोनार्डो उलरिच स्टेनर का अभिवादन करते हुए।

एफआईए ने किया इमरान की पार्टी पीटीआई के गुप्त खाते से 78 करोड़ रुपये के लेनदेन का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने दावा किया है कि इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा कथित तौर पर संचालित एक अघोषित बैंक खाते में पहले 78.7 करोड़ पाकिस्तानी रुपये से अधिक की राशि जमा की गई फिर निकाल ली गई। शीर्ष जांच एजेंसी ने पीटीआई के ऐसे 3 गुप्त खातों का पता लगाने का दावा किया है, जिनका इस्तेमाल अवैध लेनदेन में किया गया। पाकिस्तान के स्थानीय मीडिया आउटलेट के अनुसार, इन खातों का इस्तेमाल वूटन क्रिकेट क्लब से फंड ट्रांसफर करने के लिए किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई विदेशी फंडिंग विवाद में जांच के दायरे में है। एफआइए द्वारा निष्क्रिय बैंक से प्राप्त एक दस्तावेज से पता चलता है कि इमरान की पार्टी ने आधिकारिक रूप से चार व्यक्तियों को बैंक खाता संचालित करने के लिए अधिकृत किया था। उसमें विवादित फरीदुद्दीन अहमद का नाम भी शामिल है। जिनका नाम कर चोरी में पहले ही आ चुका है। वहीं, पीटीआई के प्रवक्ता ने कहा कि यह वितरण खाता था संग्रह खाता नहीं, इसमें कुछ भी अवैध नहीं है। विदेश से प्रतिबंधित फंडिंग मामले में हो रही सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के प्रमुख सिकंदर सुल्तान राजा ने पीटीआई को दो सप्ताह का समय दिया और सुनवाई को छह सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है।

रूस ने परमाणु संधि सम्मेलन में अंतिम दस्तावेज को बाधित किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

रूस ने परमाणु निरस्त्रीकरण की आधारशिला समझी जाने वाली संयुक्त राष्ट्र की संधि की चार सप्ताह तक चली समीक्षा के अंतिम दस्तावेज पर समझौते को शुक्रवार को बाधित कर दिया। इस दस्तावेज में यूक्रेन पर रूसी सुरक्षा बलों के हमले के बाद यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर सैन्य कब्जे की निंदा की गई है। इस सैन्य कब्जे ने परमाणु हादसे की आशंकाएं पैदा कर दी हैं। रूसी विदेश मंत्रालय के निरस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण विभाग के उप निदेशक इगोर विश्नेवेत्की ने 50 साल पुरानी परमाणु अप्रसार संधि की समीक्षा कर रहे सम्मेलन की देरी से हुई अंतिम बैठक में कहा, ''दुर्भाग्य से इस दस्तावेज पर कोई आम सहमति नहीं बन पाई।''

उन्होंने कहा कि केवल रूस ही नहीं, बल्कि कई देश 36 पृष्ठ के अंतिम दस्तावेज में शामिल किए गए ''कई मामलों'' से सहमत नहीं हैं। दस्तावेज को पारित करने के लिए परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के मकसद से की गई संधि के सभी पक्षकार 191 देशों की मंजूरी की आवश्यकता थी। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं अर्जेंटीना के राजदूत गुस्तावो ज्लाउविनेन ने कहा कि अंतिम मसौदे में ''एक प्रगतिशील परिणाम के लिए'' सभी पक्षों के अलग-अलग विचारों को रखने और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के सर्वोत्तम प्रयासों का ऐसे समय में प्रतिनिधित्व किया गया, जब ''हमारी दुनिया बढ़ते संघर्षों और सबसे खतरनाक रूप से, अकल्पनीय परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरे'' का सामना कर रही है।

लेकिन विश्नेवेत्की के बोलने के बाद, ज्लाउविनेन ने प्रतिनिधियों से कहा, ''मैं देख रहा हूं कि सम्मेलन इस समय अपने मौलिक कार्य पर सहमति बनाने करने की स्थिति में नहीं है।'' एनपीटी का समीक्षा सम्मेलन हर पांच साल में होता है, लेकिन कोविड-19 के कारण इस बार इसमें देरी हुई। यह दूसरी बार है, जब अंतिम दस्तावेज पर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इससे पहले 2015 के सम्मेलन में सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थापना को लेकर गंभीर मतभेदों के कारण समझौता नहीं हो पाया था।

पश्चिम एशिया क्षेत्र संबंधी पुराने मतभेद दूर नहीं हुए हैं, लेकिन उन पर चर्चा की जा रही है, और 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को प्राप्त हुए अंतिम दस्तावेज के मसौदे के अनुसार, परमाणु मुक्त पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थापना का मामला अहम है, लेकिन यह इस साल बड़ी बाधा नहीं रहा। सम्मेलन को इस बार सबसे अधिक प्रभावित करने वाला मुद्दा रूस द्वारा यूक्रेन पर 24 फरवरी को किया गया हमला है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी कि रूस एक ''शक्तिशाली'' परमाणु संपन्न देश है और हस्तक्षेप करने के किसी भी प्रयास के ''ऐसे परिणाम होंगे, जो आपने पहले कभी नहीं देखे होंगे।''

बहरहाल, बाद में पुतिन ने कहा, ''परमाणु युद्ध जीता नहीं जा सकता और इसे कभी लड़ा नहीं जाना चाहिए।'' सम्मेलन की शुरुआत दो अगस्त को हुई थी। इसके अलावा दक्षिण पूर्वी यूक्रेन के जपोरिजिया में यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर रूस के कब्जे ने परमाणु त्रासदी का भय पैदा कर दिया है। रूस और यूक्रेन दोनों ने एक दूसरे पर संयंत्र के पास गोलाबारी करने के आरोप लगाए हैं। जपोरिजिया के लिए अंतिम मसौदा दस्तावेज में चार संदर्भ में एनपीटी के पक्षों ने संयंत्र और इसके आसपास ''सैन्य गतिविधियों के लिए गंभीर चिंता व्यक्त की।''

भारत की तारीफ में उतरा अमेरिका, नौसेना के ऑपरेशन हेड ने दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन (एजेंसी)।

चीन से चल रहे भारी तनाव के बीच अमेरिका ने भारत की काफी तारीफ की है। अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे ने कहा कि भारत भविष्य में चीन का मुकाबला करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के तानव के दौरान भारत, अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार साबित होगा।

माइक गिल्डे ने वाशिंगटन में हेरिटेज फाउंडेशन के इन-पर्सन सेमिनार में ये बात कही। माइक ने कहा कि किसी भी देश से ज्यादा समय अगर कहीं बिताया है तो वो भारत है। ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले समय में भारत, अमेरिका के लिए एक रणनीतिक भागीदार साबित होगा। माइक गिल्डे अक्टूबर 2021 में पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे और इस दौरान उन्होंने भारत के नौसेना प्रमुख समेत रक्षा क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण हस्तियों से मुलाकात की थी। बता दें कि इस समय अमेरिका के लिए हिंद महासागर का क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण होता जा रहा है इसकी वजह है भारत और चीन के बाच तनाव। अमेरिका , चीन को आसानी से न केवल दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य की ओर देखने के लिए मजबूर कर रहे हैं, बल्कि अब भारत की ओर भी देखना जरूरी होगा।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी एलब्रिज कोल्बी ने निक्केई एशिया में बताया था कि, अगर चीन और ताइवान के बीच युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हुई तो भारत , ताइवान की सीधी तौर पर मदद नहीं करेगा लेकिन यह माना जा सकता है कि भारत भी लद्दाख मोर्चे को फिर से खोल सकता है। ऐसे में चीन के आगे टू फ्रंट वॉर जैसे हालात पैदा हो जाएंगे। कोल्बी ने आगे कहा कि अमेरिका और जापान को भारत की जरूरत है। ताइवान के चारों ओर अमेरिका और जापान के मजबूत गठबंधन का सामना करने में चीन की मुसीबत से भारत को फायदा मिलेगा। यानि की अगर चीन दक्षिण चीन सागर में उलझेगा तो उसका ध्यान तिब्बत से हट सकता है।

मलेशियाई अदालत ने नजीब की पत्नी से संबंधित मामले में फैसला लीक होने की निंदा की

कुआलालंपमुर (एजेंसी)।

मलेशिया की शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक की पत्नी को दोषी ठहराये जाने को लेकर आने वाले कथित फैसले को लीक करने की कोशिश की शनिवार को निंदा की। अदालत ने यह कड़ा रुख नजीब को 1एमबीडी सरकारी कोष से लूट के मामले में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए जेल भेजे जाने के कुछ दिन बाद अपनाया है। उच्च न्यायालय 1.25 अरब रिंगिट (मलेशियाई मुद्रा) की सौर ऊर्जा परियोजना में रिश्वत लेने के आरोपों के तहत नजीब की पत्नी रोस्माह मंसूर के खिलाफ बृहस्पतिवार को फैसला सुनाने वाला है। वहीं, 1एमडीबी से जुड़े रिश्वत लेने के पांच मामलों में शीर्ष अपीलीय अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद नजीब ने मंगलवार से 12 साल की सजा काटनी शुरू की।

इंग्लैंड में रहने वाले मलेशियाई ब्लॉगर द्वारा संचालित मलेशिया टुडे वेबसाइट ने 71 पन्नों का दस्तावेज अपलोड किया था, जिसमें रोस्माह को दोषी करार देने के फैसले का उल्लेख है। शुक्रवार को खबर आई कि कथित फैसले को अज्ञात लोगों ने लिखा था, न कि रोस्माह के मामले की सुनवाई कर रहे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने। मलेशिया की शीर्ष संघीय अदालत के मुख्य रजिस्ट्रार कार्यालय ने वेबसाइट की निंदा करते हुए इसे अदालत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए ''जानबूझकर किया गया कृत्य'' करार दिया।

श्रीलंका को सहयोग की आवश्यकता है न कि 'अवांछित दबाव' की: भारत

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के आंतरिक मामलों में ''हस्तक्षेप'' करने के चीन के आरोप पर भारत ने शनिवार को पलटवार करते हुए उससे दृढ़ता से कहा कि कोलंबो को अब ''सहयोग''की आवश्यकता है न कि किसी अन्य देश के एजेंडे को पूरा करने के लिए ''अवांछित दबाव या अनावश्यक विवादों''की जरूरत है। चीन के बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह निगरानी पोत 'युआन वांग 5'के हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डालने पर भारत की आपत्ति की ओर इशारा करते हुए श्रीलंका में चीन के राजदूत की झेनहोंग ने शुक्रवार को कहा था कि बिना किसी साक्ष्य के तथाकथित सुरक्षा चिंताओं पर आधारित 'बाहरी अवरोध'श्रीलंका की संप्रभुता और स्वतंत्रता में पूरी तरह हस्तक्षेप है।

श्रीलंका में भारत के उच्चायोग ने ट्वीट किया,''हमने चीन के राजदूत की टिप्पणियों पर गौर किया है। बुनियादी राजनयिक शिष्टाचार का उल्लंघन उनका एक व्यक्तिगत गुण हो सकता है या

किसी वृहद राष्ट्रीय रवैये को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि चीनी राजदूत की झेनहोंग का भारत को लेकर नजरिया इससे प्रेरित हो सकता है कि उनका अपना देश किस तरह का बर्ताव करता है। यहां भारतीय उच्चायोग ने कहा, ''हम उन्हें आश्वस्त करते हैं कि भारत इससे बहुत अलग है।'' उसने श्रीलंका के सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझने पर कहा, ''श्रीलंका को सहयोग की आवश्यकता है न कि किसी दूसरे देश के एजेंडे को पूरा करने के लिए अवांछित दबाव या अनावश्यक विवादों की जरूरत है।''

चीनी राजदूत ने एक बयान में कहा था कि चीन इस बात से खुश है कि मामला निपट गया है और बीजिंग तथा कोलंबो संयुक्त रूप से एक दूसरे की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा करते हैं। गौरतलब है कि चीन के बैलिस्टिक मिसाइल एवं उपग्रह निगरानी पोत 'युआन वांग 5' को 11 अगस्त को हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचना था लेकिन भारत की सुरक्षा चिंताओं के बाद श्रीलंकाई अधिकारियों की अनुमति नहीं मिलने के कारण इसके पहुंचने में देरी हुई। चीनी पोत 16 अगस्त को हंबनटोटा पहुंचा था और ईंधन भरने के लिए वहां खड़ा रहा। श्रीलंका ने जहाज को 16 अगस्त से 22 अगस्त तक बंदरगाह पर रहने की अनुमति इस शर्त के साथ दी थी कि वह श्रीलंका के विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्वचालित पहचान प्रणाली चालू रखेगा और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कोई वैज्ञानिक अनुसंधान नहीं किया जाएगा। नयी दिल्ली में इस बात की आशंका जताई गयी थी कि चीन के जहाज की निगरानी प्रणालीश्रीलंकाई बंदरगाह जाने के मार्ग में भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की जासूसी की कोशिश कर सकती है।

पाकिस्तान में बाढ़ की भयावह स्थिति से निपटने के लिए की जाएगी सेना की तैनाती

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों के बाढ़ से प्रभावित होने के बाद बचाव एवं राहत कार्य के वास्ते सेना को बुलाने का निर्णय लिया है। गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक दशक से भी ज्यादा समय बाद बाढ़ की ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है जिससे तीन करोड़ तीस लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, पाकिस्तान में बाढ़ के कारण अब तक 982 लोगों की मौत हो चुकी है और पिछले 24 घंटे में 45 लोगों की जान चली गई। एनडीएमए ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 1,456 और लोग घायल हुए।

गृह मंत्री सनाउल्ला ने कहा कि बाढ़ की ऐसी स्थिति एक दशक से भी ज्यादा समय बाद उत्पन्न हुई है और सशस्त्र बलों को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना को बुलाया जा रहा है जिसके अनुसार आपातकाल के समय सरकार नागरिकों की सहायता के लिए सेना को बुला सकती है। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि संबंधित प्रांतीय सरकारों द्वारा सेना मुख्यालय के साथ सलाह करके सैनिकों की संख्या और तैनाती के क्षेत्र पर निर्णय लिया जाएगा। बाढ़ से देश की अवसंरचना बुरी तरह प्रभावित हुई है और एनडीएमए के अनुसार, 3,161 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, 149 पुल बह गए और 6,82,139 घर आंशिक रूप से या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अप्रत्याशित मॉनसूनी बारिश की वजह से आई बाढ़ के कारण देश का लगभग आधा हिस्सा डूब गया है और 110 जिलों में 57 लाख से ज्यादा लोग बिना आश्रय और भोजन के हैं। इस आपदा से सिंध और बलोचिस्तान सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं और पाकिस्तान रेलवे ने कई स्थानों पर सेवाएं निलंबित कर दी हैं। पर्यावरण मंत्री शेरी रहमान के अनुसार, देश में हर साल तीन से चार बार बारिश का दौर आता था लेकिन इस बार मॉनसून का आठ दौर आ चुका है तथा और बारिश होने की आशंका है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद स्थित राजदूतों, उच्चायुक्तों और अन्य चुनिंदा राजनयिकों के साथ शुक्रवार को एक बैठक की और उन्हें देश में बाढ़ की भयावह स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस साल बाढ़ से हुई क्षति की तुलना 2010-11 में आई बाढ़ से की जा सकती है। इस बैठक में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन,

जापान, कुवैत, यूएई, तुर्किये, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जर्मनी, बहरीन, यूरोपीय संघ, फ्रांस, ओमान, कतर, ब्रिटेन और सऊदी अरब के राजनयिकों, राजदूतों और उच्चायुक्तों ने भाग लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, विश्व खाद्य कार्यक्रम के प्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल थे। शरीफ ने कहा कि अचानक आई बाढ़ और बारिश के कारण तीन करोड़ तीस लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

सार समाचार

दिल्ली- ऑफिस में मिली 23 साल युवती की सिर कटी लाश, पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के आदर्श नगर इलाके से एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है जहां एक 23 साल की महिला की हत्या कर दी गई है। इसमें हैरान कर देने वाली बात यह है कि महिला की हत्या ऑफिस के अंदर बीती रात को की गई है। इस मामले में पुलिस ने 5 लोगों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम करीब 7 बजे आदर्श नगर थाने को इसकी सूचना मिली थी। पुलिस टीम आजादपुर के केवल पार्क में स्थित एक बिल्डिंग की दूसरी मंजिल में पहुंची तो वहां का मंजर देख पुलिस भी सकते में रह गई। ऑफिस के अंदर महिला की गला काटकर हत्या की गई थी और खून से लथपथ महिला की लाश बिल्डिंग की दूसरी मंजिल में बने एक ऑफिस के अंदर में पड़ी हुई थी। पुलिस को जांच में पता चला कि इस बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर फाइनेंस ऑफिस का कॉल सेंटर चलाया जा रहा था और इस कॉल सेंटर में महिला पिछले कुछ महीनों से टेलीकॉलर के पद पर काम कर रही थी। हमलावर ने महिला की चाकू से गोदकर हत्या की है। मृत महिला की पहचान दीपा के तौर पर हुई है और वह आदर्श नगर के पास ही भलस्वा की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर 5 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक्सीडेंटल क्लेम में कपड़ा व्यवसायी परिवार को मिली रिकॉर्ड 4.13 करोड़ रुपए रकम

मुंबई । दुर्घटना मुआवजे के रूप में व्यवसाई के परिवार वालों को 4.13 करोड़ रुपए मुआवजा दिया गया है। कपड़ा व्यवसाई की सन 2016 में ट्रक-मोटरसाइकिल की टक्कर में मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने ट्रक के मालिक के साथ ही न्यू इंडिया एश्योरेंस को संयुक्त रूप से 54 वर्षीय व्यवसाई के परिवार को मुआवजे के भुगतान का आदेश दिया है।

ट्रिब्यूनल ने आई-टी रिटर्न पर भरोसा किया। इसमें कहा गया था कि एक वैधानिक दस्तावेज था जिस पर पीड़ित की वार्षिक आय निर्धारित करने के लिए निर्भरता रखी जा सकती है। वहीं बीमा कंपनी के इस दावे का खंडन किया कि चूंकि पीड़ित ने हेलमेट नहीं पहना था। इसलिए उसकी मौत के लिए मुख्य रूप से वही जिम्मेदार था। इस मामले में परिवार ने तीन करोड़ रुपए मुआवजे की मांग रखी थी। मृतक के पीड़ित परिवार की ओर से सन 2016 की 7 नवंबर को डंपर ट्रक मालिक गौरी जाधव और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के खिलाफ मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का रुख किया था। मृतक की पत्नी और उनके छह बच्चों को एक डंपर के जरिए हुए जमील शेख की मौत मामले में रिकॉर्ड 4.13 करोड़ मुआवजे मिलेगा। परिवार ने कहा 28 अगस्त 2016 को दोपहर 3-4 बजे के बीच जमील अपनी मोटरसाइकिल पर साकीनाका से पवई की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से वे नीचे गिर गए। जमील को राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। चालक के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया।

डंपर मालिक ने दावे का जवाब नहीं दिया। जिसके बाद उनके खिलाफ आदेश एकतरफा पारित किया गया। बीमा कंपनी ने तर्क दिया कि अगर जमील ने हेलमेट पहना होता तो सिर की चोट से बचा जा सकता था। दुर्घटना के समय वाहन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। कंपनी का कहना था कि बीमाधारक ने पॉलिसी के नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया है। इसलिए मुआवजे के भुगतान करने के दायित्व से इनकार किया गया।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि बीमा कंपनी ने अपने दावों के समर्थन में सबूत पेश नहीं किए। इसके साथ ही इस बात का भी सबूत नहीं है कि अपराधी डंपर के चालक का लाइसेंस नकली था। इसके अलावा। यहां तक कि यह मानते हुए कि लाइसेंस नकली होने पर भी। इस तथ्य से अवगत होने के लिए वाहन के मालिक के बारे में कोई सबूत नहीं है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि अगर जानकारी होने के बावजूद भी मालिक ने चालक को आपत्तिजनक वाहन चलाने की अनुमति देने का विकल्प चुना तो यह अपराध की संख्या में आता है।

कोरोना से मर चुके लोगों के नाम पर धोखाधड़ी, आधार-पैन कार्ड से लेते थे करोड़ों का लोन

नई दिल्ली। कोरोना से मरने वाले लोगों की फजी आईडी बनाकर बैंक से करोड़ों रुपए लोन लेने का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में विभुतिखंड पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह के मुताबिक, आरोपी कोविड से मरने वाले लोगों के नाम पर बैंकों से लोन लेते थे। दोनों आरोपियों में एक का नाम मृगांक सहाय और दूसरे का नाम अभिषेक भारती है और दोनों पहले इंश्योरेंस कंपनियों में काम भी कर चुके है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने 23 से 24 बैंकों से लोन लिया था जो अप्रूव भी हुआ। इनकी कीमत करोड़ों में है। आरोपियों ने एचडीएफसी बैंक से लोन लेने के लिए आवेदन किया। बैंक को शक हुआ तो अधिकारियों ने आधार, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की तो पता चला की सभी डॉक्यूमेंट्स फर्जी है। कानपुर स्थित एचडीएफसी बैंक के मैनेजर अतुल भारती ने विभुतिखंड पुलिस में केस दर्ज कराया जिसके बाद आरोपियों को पकड़ गया। आरोपी कोविड से मृत लोगों की जाली आईडी बनाकर फोटो चस्पा कर देते थे। जब पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो पचा चला की आरोपी इश्योरेंस एजेंट था और कोरोना से मरने वाले लोगों का डाटा उसके पास था। मृत लोगों के बैंक अकाउंट, आधार कार्ड और पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था।

आदित्यनाथ ने नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य के वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों को अवैध नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाने और कठोरता के साथ विधिसम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए। योगी ने कहा, अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में लिप्त लोगों के खिलाफ छापेमारी की जानी चाहिए, और यदि कोई ढिलाई बरती गई है, तो जवाबदेही तय की जाएगी। ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ाई एक जन आंदोलन का रूप ले लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध मादक पदार्थ के धंधे में लिप्त लोगों की थाना स्तर पर पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि विगत पांच-छह माह में टीम वर्क के माध्यम से प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी करने तथा नोडल अधिकारी नियुक्त करने के अलावा अन्य कार्य के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिये। एक सरकारी बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि लंपी वायरस से सुरक्षा के लिए तत्काल पशु टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाए।

18 फरवरी के बाद यूक्रेन छोड़ रूस जाने वालों को हर माह दस हजार रूबल पेंशन के रूप में देगा रूस

नई दिल्ली । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से रूस आने वाले नागरिकों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने यूक्रेन छोड़कर रूस आने वालों को आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इस संबंध में उन्होंने सरकारी डिक्री पर हस्ताक्षर किए और संबंधित विभाग को रूस आने वाले लोगों की मदद करने को कहा है। इसके तहत पेंशन भोगियों, गर्भवती महिलाओं और विकलांग लोगों को मदद देने की शुरुआत की गई। आदेश के मुताबिक यूक्रेन के क्षेत्र के आने वाले सभी लोगों को मदद दी जाएगी। एक सरकारी पोर्टल पर प्रकाशित डिक्री में कहा गया है कि जिन लोगों ने 18 फरवरी के बाद मजबूरी से यूक्रेनी इलाके के छोड़ा और रूस की शरण ली उन्हें 10,000 रूबल मासिक पेंशन का भुगतान किया जाएगा। इसके साथ विकलांग लोग भी इसी सहायता के पात्र होंगे। रूस द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता को अगर भारतीय रुपयों में कनवर्ट करें तो यह 13500 रुपए होती है। डिक्री में यह भी कहा गया कि आर्थिक मदद के रूप में दी जाने वाली सहायता राशि का भुगतान केवल यूक्रेन के नागरिकों और स्वघोषित डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के लोगों को दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन दोनों राज्यों को मास्कों ने फरवरी में स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता दी थी। मास्को पहले भी इस तरह की मदद यूक्रेन के लोगों को देता रहा है। रूस पहले यूक्रेनियन को रूसी पासपोर्ट भी देता रहा है। उसके इस कदम को यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने मास्को द्वारा उस क्षेत्र पर कब्जा करने का एक अवैध प्रयास बताया।

दिल्ली की तुलना गुवाहाटी से करने पर हिमंत विश्व सरमा ने केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की तुलना न्यूयॉर्क, टोक्यों से करनी चाहिए थी लेकिन वो दिल्ली की तुलना गुवाहाटी, शिलांग से कर रहे हैं। दरअसल, दोनों मुख्यमंत्रियों का एक-दूसरे पर वाकयुद्ध जारी है और दोनों की एक-दूसरे पर बरसने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, दिल्ली मुगलों के ज़माने से भारत की राजधानी रही है। केजरीवाल जी को दिल्ली की तुलना न्यूयॉर्क, टोक्यो से करनी चाहिए थी लेकिन वे दिल्ली की तुलना गुवाहाटी, शिलांग से कर रहे हैं। मेरे पास दिल्ली जितने अच्छे संसाधन नहीं हैं लेकिन वह 1,200 स्कूल चलाते हैं और मैं 40,000 स्कूल चलाता हूं।

उन्होंने कहा कि वे बार-बार बोलते हैं आप मुझे असम बुलाइए तो उन्हें यहां आने में कोई मनाही नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं मनीष सिसोदिया को पहले ही आमंत्रित कर चुका हूं, उन्हें कोर्ट से भी नोटिस मिला होगा।

कब शुरू हुआ दोनों के बीच वाकयुद्ध ?

दरअसल, खराब नतीजों के चलते असम की 34 स्कूल बंद होने की खबर को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि स्कूल बंद करना समाधान नहीं है। हमें तो अभी पूरे देश में ढेरों नए स्कूल खोलने की ज़रूरत है। स्कूल बंद करने की बजाय स्कूल को सुधार कर पढ़ाई ठीक कीजिए। इस पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने पलटवार करते हुए कहा था कि सबसे पहली बात कि असम में स्कूलों को बंद नहीं किया जा रहा है, बल्कि समग्र शैक्षिक वातावरण में सुधार के लिए समामेलित किया जा रहा है!

शिवसेना में बड़े बदलाव के संकेत, उद्धव ठाकरे ने वफादारों को दी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र की सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी 'शिवसेना' को बचाने की कवायद में जुटे हुए हैं। उद्धव ठाकरे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से नहीं मिलने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिलने का सिलसिला तेज कर दिया है और मातोश्री के प्रति वफादारी निभाने वाले नेताओं की पदोन्नति भी दी जा रही है।

उद्धव ठाकरे के साथ हर मौके पर कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले बेटे आदित्य ठाकरे भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और प्रदेशभर में जा-जाकर धोखा देने वाले शिवसेना विधायकों का उल्लेख कर रहे हैं। साथ ही साथ एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच में वाकयुद्ध भी छिड़ा हुआ है। लेकिन इन सबसे हटकर उद्धव ठाकरे ने तीन महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां का ऐलान किया था। ऐसे में उद्धव ठाकरे के बुरे वक्त में उनके साथ डटकर पार्टी को बचाने की कवायद में जुटे अरविंद सावंत और भास्कर जाधव को पदोन्नत किया गया है। जबकि उद्धव ठाकरे ने पार्टी के दिग्गज नेता लीलाधर दाके के बेटे को अहम जिम्मेदारी सौंपी है।

सावंत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

उद्धव ठाकरे के आदेश पर अरविंद सावंत, भास्कर जाधव और पराग लीलाधर दाके को शिवसेना सचिव नियुक्त किया गया है। यह जानकारी शिवसेना के केंद्रीय कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

हारने से नहीं, हार स्वीकार कर लेने से खत्म हो जाता है आदमी : नितिन गडकरी

नागपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने गृह नगर नागपुर में उद्यमियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति हारता है, तो वह खत्म नहीं होता, लेकिन जब वह हार मान लेता है, तो खत्म हो जाता है। उद्यमियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए गड्करी ने कहा कि जो कोई भी व्यवसाय, सामाजिक कार्य या राजनीति में है, उसके लिए मानवीय संबंध सबसे बड़ी ताकत है।

हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड से हटाए जाने को लेकर चर्चा में रहे गडकरी ने कहा। इसलिए किसी को भी 'इस्तेमाल करो फेको' की दौर में नहीं शामिल होना चाहिए। अच्छे दिन हों या बुरे दिन। जब एक बार किसी का हाथ थाम लें, तो उसे थामें रहें, उगते सूरज की पूजा न करें। गडकरी ने एक छात्र नेता के रूप में अपने

दिनों को याद किया जब कांग्रेस नेता श्रीकांत जिचकर ने उन्हें बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस में शामिल होने के लिए कहा था।

गडकरी ने कहा मैंने श्रीकांत से कहा कि मैं कुएं में कूदकर मर जाऊंगा लेकिन कांग्रेस में शामिल नहीं होऊंगा। क्योंकि मुझे आपकी पार्टी की विचारधारा पसंद नहीं है। गडकरी ने कहा कि युवा उद्यमियों को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का वाक्य याद रखना चाहिए कि हारने पर आदमी का अंत नहीं होता है, लेकिन जब वह हार मान लेता है तो वह खत्म हो जाता है।

इससे पहले गडकरी ने मुंबई में किसानों को चीनी उत्पादन कम करने तथा ऊर्जा और बिजली क्षेत्रों की ओर कृषि में विविधता लाने का सुझाव दिया। गडकरी ने यहां नेशनल कोजेनरेशन अवार्ड्स कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। जहां हमारी 65-70 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। वहीं हमारी कृषि विकास दर 12-13 फीसदी ही है। गन्ना उद्योग और किसान हमारे उद्योग के लिए विकास का इंजन हैं। उन्होंने कहा कि अगला कदम चीनी से राजस्व बढ़ाने के लिए सह-उत्पादन होना चाहिए। उद्योग को कम चीनी का उत्पादन करना चाहिए और उससे संबंधित उत्पादों का उत्पादन अधिक करना चाहिए। भवष्यि की प्रौद्योगिकियों को ध्यान में रखते हुए इसे अपनाना चाहिए और ज्ञान को धन में बदलने के लिए नेतृत्व की शक्ति का उपयोग करना चाहिए।

कुपोषण से निपटने के लिए समाज को आगे आना होगा: ईरानी

अमेठी (उत्तर प्रदेश)। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कहा कि अमेठी जिले में 1736 बच्चे कुपोषण का शिकार हैं और इससे निपटने के लिए समाज को आगे आना होगा। ईरानी ने शनिवार को जामो विकास खंड के सूखी बाजगढ़ में 170 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। स्थानीय सांसद ईरानी ने कहा, ''सरकार स्टेडियम बना रही है सड़क, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और तमाम विकास के काम अमेठी में किए हैं, लेकिन अमेठी में 1736बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। ऐसे बच्चों की मदद के लिए समाज में जागरुकता आने की जरूरत है, समाज के लोगों को आगे आने की जरूरत है। इसके लिए हमें मिलकर काम करना होगा और तब तक करना होगा जब तक एक भी बच्चा कुपोषण का शिकार रह जाता है।'' ईरानी ने अमेठी के जामो बाजगढ़ में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 80 करोड़ रुपये की लागत से बन? रही 116 किलोमीटर लंबाई की 16 सड़कों का शिलान्यास व? लोकार्पण किया। अमेठी/रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर आयी स्मृति ईरानी ने 'हर घर? नल जल ग्रामीण पेयजल योजना' के तहत जिले में 26 स्थानों पर बन रहे पानी की टंकी का शिलान्यास किया, 21 लाख रुपए के लागत से बने अमृत सरोवर का लोकार्पण व कोविड के दौरान निराश्रित हुए बच्चों को लैपटॉप को वितरण के साथ ही कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार का वितरण किया।

राजनाथ सिंह ने कल्याण सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण, बोले- मुझे उनका अत्यधिक स्नेह प्राप्त हुआ

लखनऊ (एजेंसी)।

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में शनिवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल्याण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारा और उनका रिश्ता बड़े बाई और छोटे भाई का रहा और मुझे उनका अत्यधिक स्नेह प्राप्त हुआ।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा और उनका रिश्ता बड़े बाई और छोटे भाई का रहा और मुझे उनका अत्यधिक स्नेह प्राप्त हुआ। 1977 में वो स्वास्थ्य मंत्री थे और स्वास्थ्य मंत्री के रूप उन्होंने जिस प्रकार से भूमिका निभाई थी तो उस समय मंत्रिमंडल में सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री अगर कोई था तो वो थे। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और उनके शासनकाल में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था चुरुस्त दुरुस्त थी और अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था चुरुस्त दुरुस्त है।

बिना सुनवाई किसी को लंबे समय तक जेल में रखना ठीक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह ऐसी स्थिति को बनाए रखने की अनुमति नहीं दे सकता, जिसमें किसी व्यक्ति को बिना किसी सुनवाई के लंबे समय तक जेल में रखा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने बातें पश्चिम बंगाल में एक आपराधिक मामले में 4 साल से जेल में बंद दो आरोपियों को जमानत देते हुए कही। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2018 में 414 किलोग्राम प्रतिबंधित 'गांजा' को कथित रूप से जब्त किए जाने से संबंधित मामले में अभियोजन पक्ष के पहले गवाह से भी पूछताछ की जानी अभी बाकी है।

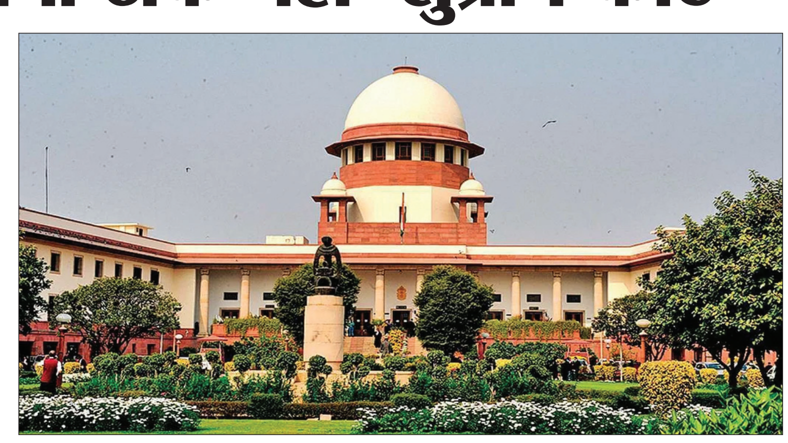

अदालत ने हालांकि कहा कि अगर अपीलकर्ता मुकदमे में देरी करते हैं तो वह निचली अदालत को अपीलकर्ताओं को वापस जेल भेजने की अनुमति देती है। न्यायमूर्ति एसके कौल और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि एक आरोप पत्र दायर किया गया था और आरोप तय किए गए थे।

मामले में सुनवाई आगे नहीं बढ़ी। पीठ ने इस सप्ताह की शुरुआत में पारित किए गए अपने आदेश में कहा। हम ऐसी स्थिति को बनाए रखने की अनुमति नहीं दे सकते हैं, जिसमें किसी व्यक्ति को बिना किसी सुनवाई के लंबे समय तक जेल में रखा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि क्योंकि आरोपी जेल में लगभग चार वर्ष से बंद हैं और अभियोजन पक्ष के पहले गवाह से अभी पूछताछ होनी बाकी है। इसलिए अपीलकर्ता निचली अदालत द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों पर जमानत के हकदार हैं।

न्यायालय ने कहा अपीलकर्ताओं को निचली अदालत द्वारा निर्धारित सभी तारीखों पर उपस्थित रहना होगा और उनके वकील अनावश्यक स्थगन का अनुरोध नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के नवंबर 2021 के उस आदेश के खिलाफ आरोपियों द्वारा दायर अपील पर यह आदेश दिया। जिसमें उन्हें स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के प्रावधानों के तहत कथित अपराधों के लिए 2018 में दर्ज मामले के संबंध में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

अयोध्या में मंदिर निर्माण का काम 40 फीसदी पूरा, दिसंबर 2023 से विधिवत शुरू होगी पूजा अर्जना: चंपक राय

अयोध्या (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के निर्माण का काम लगभग 40 प्रतिशत पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो साल पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर इसका शिलान्यास किया था। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि दिसंबर 2023 से दुनिया भर के भक्त भगवान राम की पूजा कर सकते हैं।

ट्रस्ट के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर के चारों ओर की सड़कों को सुधारने के लिए निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। चंपत राय ने कहा मंदिर निर्माण का 40 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो गया है। प्लिंथ का 80 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है। मंदिर में दर्शन दिसंबर 2023 से शुरू होने की संभावना है। आपको बता दें कि देश में अगला लोकसभा चुनाव 2024 में होना है। चंपत राय खुद अयोध्या के कारसेवक पुरम में डेरा जमाए हुए हैं और निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे हैं। वह लगातार बैठकें करते हैं और हर दिन प्रगति की समीक्षा करते हैं।

निर्माण में उपयोग किए गए धन के स्रोत के बारे में पूछे जाने पर चंपत राय ने कहा। भगवान के कार्य के लिए धन की कमी नहीं होती है। भगवान के चरणों में लक्ष्मी बैठी रहती हैं। ट्रस्ट के अधिकारियों के मुताबिक। मंदिर की कम से कम एक हजार साल तक लंबी उम्र और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बड़ी नींव रखी गई है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में मकराना पहाड़ियों से सफेद संगमरमर का उपयोग मंदिर के गर्भगृह के अंदर किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि संगमरमर की नक्काशी का काम प्रगति पर है और कुछ नक्काशीदार संगमरमर के ब्लॉक पहले ही अयोध्या लाए जा चुके हैं। राम मंदिर निर्माण में प्राचीर के लिए लगभग आठ से नौ लाख क्यूबिक फीट नक्काशीदार बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया जाएगा। चंपत राय ने कहा कि इसके अलावा प्लिंथ के लिए 6.37 लाख क्यूबिक फीट ग्रेनाइट का इस्तेमाल होगा।

मुख्य मंदिर लगभग 4.7 लाख क्यूबिक फीट नक्काशीदार गुलाबी बलुआ पत्थर से तैयार किया जाएगा। वहीं, गर्भगृह के निर्माण के लिए मकराना सफेद नक्काशीदार संगमरमर का 13,300 घन फीट इस्तेमाल किया जाएगा। फर्श और आवरण के लिए मकराना सफेद नक्काशीदार संगमरमर का 95,300 वर्ग फीट इस्तेमाल किया जाएगा।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया था। इससे पहले 9 नवंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। योजना के तहत राम मंदिर के आसपास 70 एकड़ क्षेत्र में वाल्मीकि, केवट, शबरी, जटायु, सीता,

विघ्नेश्वर (गणेश) और शेषावतार (लक्ष्मण) के मंदिर भी बनाए जाएंगे। मंदिर निर्माण के साथ ही प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर की ओर जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिए दुकानों व मकानों को तोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

सैकड़ों आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा

हाईकोर्ट द्वारा सूचना आयुक्तों पर लगाए गए कॉस्ट पर आयोजित हुआ 114 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार

पूर्व केंद्रीय सूचना शैलेश गांधी, मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह और आत्मदीप की उपस्थिति में आयोजित हुआ वेबिनार

मध्य प्रदेश सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त अरविंद कुमार शुक्ला के ऊपर हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा लगाए गए 2 हज़ार रूपये के कॉस्ट पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग एक बार पुनः सुर्खियों में है। इस बार सुर्खियों में होने का कारण इनके द्वारा दिए जाने वाले कोई जनहित में आदेश नहीं है,बल्कि मध्य प्रदेश राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त अरविंद कुमार शुक्ला के ऊपर अभी हाल ही में प्रदीप कुमार श्रीवास्तव सहायक ग्रेड 3 के द्वारा मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में दायर याचिका क्रमांक 1352/2022 है, जिसमें मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग को पार्टी बनाए जाने पर युगल पीठ के जज शील नागू और अरुण कुमार शर्मा द्वारा एक आदेश जिसमें युगल पीठ जजों द्वारा लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी की गलती को लेकर मध्य प्रदेश राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त अरविंद कुमार शुक्ला के ऊपर 2 हज़ार रूपये की कॉस्ट लगा दी गई है।

जानकारों की माने तो कॉस्ट एक ऐसे जुर्माने की प्रकृति होती है जिसमें राशि अधिकारी या लोक प्राधिकारी की स्वयं की जेब से न भरी जाकर सरकारी खजाने से भरी जाती है।

बताया गया कि इस विषय पर मुख्य सूचना आयुक्त अरविंद कुमार शुक्ला की तरफ़ से मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा पुनरीक्षण याचिका क्रमांक 795/2022 हाई कोर्ट जबलपुर में दायर की गई थी लेकिन उस पर भी सूचना आयुक्त को कोई राहत नहीं मिली है और कॉस्ट यथावत रखी गई है।

हाईकोर्ट जबलपुर ने मुख्य सूचना आयुक्त पर जड़ा २ हज़ार रूपये का कॉस्ट, सूचना आयोगों में मच गया हड़कंप

उक्त मामले को लेकर दिनांक 28 अगस्त 2022 को मध्य प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह की अध्यक्षता एवं पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप के विशिष्ट आतिथ्य में 114 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में देश के विभिन्न कोनो से आरटीआई आवेदकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में इस आदेश के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई जिसमें चर्चा में शामिल होने वाले एक्टिविस्टों में छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल, जोधपुर राजस्थान से सुरेंद्र जैन, राजस्थान से अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट ताराचंद जांगिड़ एवं उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर आदि सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पधारे हुए पार्टिसिपेंट्स ने अपने प्रश्न भी रखें जिनके समाधान उपस्थित विशेषज्ञों के द्वारा दिए गए।

पार्टिसिपेंट्स ने कहा आदेश सही, तो सूचना आयुक्तों ने करार दिया अवैधानिक

आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा की सूचना आयोग एक क्वासी ज्यूडिशियलद्य संस्था है जिसके आयुक्तों के ऊपर किसी भी प्रकार की कॉस्ट लगाया जाना कानूनी तौर पर जायज नहीं है। स्वयं उपस्थित सूचना आयुक्त आत्मदीप ने मामले पर संदेह जाहिर करते हुए कहा कि यह आदेश कानूनी स्तर पर अवैधानिक है और कानून में इस प्रकार के प्रावधान नहीं है जहां एक सूचना आयुक्त के ऊपर जुर्माना या कॉस्ट लगाया जाए। उन्होंने इसकी वैधता पर सवाल खड़ा किए वहीं दूसरी तरफ पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने भी सूचना आयोगों के आदेश के विरुद्ध दायर होने वाले रिट पिटिशन पर भी सवाल खड़ा किए और कहा कि सबसे पहले हाईकोर्ट को स्टे देने और कोई भी मामला लेने के पहले यह देखना चाहिए कि वह रिट जूरिडिक्शन में आता है अथवा नहीं। उन्होंने सूचना आयुक्तों पर कॉस्ट लगाने सम्बन्धी इस प्रकार की कार्यवाही को अवैधानिक और गैरकानूनी करार दिया और कहा कि इस प्रकार की प्रैक्टिस बंद की जानी चाहिए। पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त ने कहा कि आम जनता को भी गलत निर्णय ऊपर ताली नहीं बजानी चाहिए जिससे एक गलत परंपरा का जन्म हो। हम सबको मिलकर जहां भी गैरकानूनी आदेश जारी किए जाते हैं अथवा कानून के विरुद्ध कोई कार्य होता है उस पर मिलकर विरोध करना चाहिए और आवाज बुलंद करनी चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया

पीएम मोदी ने कच्छ में स्मृति वन, सहित 12 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कच्छ में स्मृति वन, वीर बालक स्मारक, नर्मदा की लागत से निर्मित नखत्राणा व भुज विद्युत सबस्टेशन, 129.22 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित चंद्राणी स्थित सरहद डेयरी का दूध उत्पादन व पैकेजिंग प्लांट, 190 करोड़

कच्छ शाखा नहर सहित 12 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। जिसमें 6 कार्यों का ई-लोकार्पण तथा 5 कार्यों का ई-शिलान्यास शामिल है। ई-लोकार्पित किए गए 6 विकास कार्यों में 1745 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कच्छ शाखा नर्मदा नहर, 1182 करोड़ रुपए की रुपए की लागत से निर्मित भुज स्थित आंचलिक विज्ञान केन्द्र, 39 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित गांधीधाम स्थित डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सम्मेलन केन्द्र, 17.50 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अंजार स्थित वीर बालक स्मारक समाविष्ट हैं। ई-शिलान्यास किए गए 5 विकास कार्यों में 1373 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले भुज-भीमासर नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, 43.40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली गांधीधाम स्थित अंडरग्राउंड डक्ट (भूमिगत वाहिनी-नलिका), 32.71 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले माता के मढ के पर्यटन विकास कार्य, गांधीधाम नगर पालिका की स्वर्ण जयंती के अंतर्गत होने वाले 22.67 करोड़ रुपए व 30.39 करोड़ रुपए के दो कार्य समाविष्ट हैं।

पावागढ़ दर्शन को जा रहा परिवार दुर्घटना का शिकार, एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पंचमहल, हालोल बायपास के निकट वाहन दुर्घटना में अंकलेश्वर के प्रजापति परिवार के दो सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। प्रजापति परिवार आज सुबह ईको कार में सवार होकर पावागढ़ में काली माता के दर्शन करने जा रहा था। पुलिस ने दुर्घटना में बाल बाल बचे ड्राइवर के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी जगदीश प्रजापति परिवार के साथ भरूच जिले के अंकलेश्वर में रहते हैं। अंकलेश्वर में गोलगप्पा का व्यवसाय करने वाले जगदीश प्रजापति ने भोज गांव में रहनेवाले जगदीश वसावा की ईको कार किराया पर ली थी। ईको कार में परिवार समेत जगदीश प्रजापति पंचमहल जिले के हालोल स्थित पावागढ़ दर्शनार्थ जा रहे थे। रास्ते में हालोल-वडोदरा हाईवे पार कर ईको कोर पावागढ़ की ओर मुड रही थी। तब एक लक्जरी बस का ऑवरटेक करने के प्रयास में कार को बस की टक्कर लग गई और कार रोड डिवाइडर के साथ जा टकराई। इस घटना में ईको कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें ईको कार के मालिक जगदीश वसावा, कैलासी जगदीश प्रजापति और तेजस कमलकिशोर प्रजापति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि हेमलता कमलकिशोर प्रजापति और अंश कमलकिशोर प्रजापति को गंभीर हालत में हालोल के सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद वडोदरा रवाना किया गया। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने हादसे में बाल बाल बचे ईको कार के ड्राइवर के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।